www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
30 अगस्त 2026
वर्ष: 49
अंक: 117 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

पेपर लीक रोकने के लिए ज्यादा ऐक्टिव हुआ एनटीए

● देश में 'परीक्षा' सिस्टम बदलने की शुरू हुई तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार की छह सदस्यीय हाई-पावर्ड टास्क फोर्स ने सार्वजनिक परीक्षाओं में व्यापक सुधार के लिए लोगों से सुझाव मांगे हैं। छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शैक्षणिक संस्थानों और नागरिक संगठनों से भी राय मांगी गई है। इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली यह टास्क फोर्स खास तौर पर एनटीए की परीक्षाओं के संचालन, सुरक्षा, परीक्षा डिजाइन और व्यवस्था में सुधार पर काम कर रही है। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय के मुताबिक, टास्क फोर्स का लक्ष्य परीक्षा व्यवस्था को सुरक्षित, पारदर्शी, निष्पक्ष और भविष्य के लिए तैयार बनाना है।

13 सितंबर तक दे सकते हैं सुझाव

सुझाव 13 सितंबर तक अंग्रेजी, हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओं में दिए जा सकते हैं। इसके लिए सरकार ने वेबसाइट, फोन, वॉट्सऐप और ईमेल के जरिए सुझाव भेजने की व्यवस्था की है। इन सुझावों के आधार पर टास्क फोर्स सरकार को परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए अपनी सिफारिशें देगी। केंद्र ने नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में टास्क फोर्स जुलाई में बनाई थी।

15 साल बाद रोहणी नक्षत्र में मनेगा श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

● अष्टमी तिथि के साथ रोहणी नक्षत्र का बन रहा दुर्लभ संयोग

उज्जैन (एजेंसी)। देशभर में 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाएगी। इस बार 15 साल बाद जन्माष्टमी पर ऐसा विशेष संयोग बन रहा है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र में मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य पंडित अक्षत व्यास के अनुसार द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भी मध्यरात्रि में अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। इस बार जन्माष्टमी पर भी इसी तरह का संयोग बन रहा है। पंडित व्यास के मुताबिक कई बार जन्माष्टमी पर अष्टमी तिथि तो रहती है, लेकिन रोहिणी नक्षत्र का संयोग नहीं बनता। इस बार दोनों एक ही दिन मिल रहे हैं। यही वजह है कि इस जन्माष्टमी को विशेष माना जा रहा है। रामानंदी संप्रदाय में जन्मोत्सव के लिए रोहिणी नक्षत्र को विशेष महत्व दिया जाता है। इस बार वैष्णव और रामानंदी समेत सभी प्रमुख संप्रदायों में 4 सितंबर को ही जन्माष्टमी मनाई जाएगी।

मध्यरात्रि में रोहिणी नक्षत्र का संयोग

ज्योतिषाचार्य के अनुसार जन्माष्टमी की अर्धरात्रि में अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र का एक साथ होना विशेष फलदायी माना जाता है। कई वर्षों में भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी पर वृष राशि में चंद्रमा तो रहता है, लेकिन रोहिणी नक्षत्र का संयोग नहीं बन पाता। इस बार सभी प्रमुख ज्योतिषीय तत्व एक साथ आ रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं में भी ऐसे संयोग में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है।

पवित्र शहरों में एक उज्जैन का नाम शामिल

भारत में मौजूद पवित्र शहरों में से एक में उज्जैन का नाम शामिल है यह समृद्ध संस्कृति के कारण ही भारत में और दुनिया के अन्य हिस्सों में उज्जैन के बारे में हर कोई जानता है। उज्जैन शहर को भगवान का शहर माना जाता है यह माना जाता है कि भगवान महाकाल आज भी यहां रहते है और इस जगह पर अपनी आशीष दिखाते है। जो इस शहर की यात्रा करता है, उसको सारेपापों से छुटकारा मिल जाता है। उज्जैन को अवंती, अवंतिकपुरी आदि के रूप में भी जाना जाता है।

यह भारत के सबसे पुराने शहरों में से एक है। उज्जैन धार्मिक शहर है, इसके चारों ओर धार्मिक स्मारक हैं। उज्जैन की समृद्ध यात्रा और पर्यटन हर साल बड़ी संख्या में पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। इस शहर में कई धार्मिक तीर्थस्थल हैं। उज्जैन को सामान्यतः भगवान महादेव के शहर के रूप में जाना जाता है. यहां स्थित महाकालेश्वर मंदिर एक विश्व प्रसिद्ध मंदिर है जो कि भगवान शिव के बारह प्रमुख ज्योतिर्लिंगों में शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व सीएम ममता बनर्जी के खिलाफ दर्ज हुआ केस

● आरोप-छात्र परिषद में तय समय से ज्यादा प्रोग्राम चला

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मामला 28 अगस्त को तृणमूल छात्र परिषद के कार्यक्रम से जुड़ा है। आरोप है कि कोर्ट ने कार्यक्रम के लिए दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक का समय दिया था। लेकिन आयोजकों ने तय समय के बाद भी कार्यक्रम जारी रखा। शिकायत के मुताबिक, टीएमसी समर्थकों ने बैरिकेड हटाए। पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की की। कैथेड्रल रोड पर ट्रैफिक ब्लॉक किया। यह मामला टीएमसी के दो गुटों के

कार्यक्रम की अनुमति से जुड़ा था। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने कार्यक्रम को लेकर कोर्ट में याचिका लगाई थी। 28 अगस्त को टीएमसी के स्थापना दिवस पर बड़े राजनीतिक कार्यक्रम के लिए जगह, भीड़ और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर विवाद था। दोनों गुटों ने कार्यक्रम के लिए मायो रोड की मांग की थी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने ट्रैफिक और कानून-व्यवस्था को देखते हुए दोनों को मायो रोड पर कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी और अलग-अलग जगहों पर सीमित शर्तों के साथ कार्यक्रम की अनुमति दी।

नेपाल के 'सैलाब' ने बढ़ाई भारत की टेंशन

● 200 ग्लेशियल झीलों पर मंडराया खतरा,25 अतिसंवेदनशील

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार को नेपाल में ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी ग्लेशियल झील फटने से आई अचानक बाढ़ की घटना ने भारत को अपनी रणनीति और तैयारियों पर फिर से विचार करने को मजबूर कर दिया है। इस घटना ने एक बार फिर याद दिलाया है कि हिमालयी क्षेत्रों में लगभग 200

ऐसी ग्लेशियल झीलें मौजूद हैं, जिनसे भविष्य में अत्यधिक खतरा हो सकता है और इसके लिए तुरंत कदम उठाने की जरूरत है।

सरकारी सर्वेक्षणों के अनुसार, हिमालयी रेंज में कुल मिलाकर लगभग 7,500 ग्लेशियल झीलें मौजूद हैं, जो एक बड़ी चिंता का विषय है। इनमें से 10 प्रतिशत झीलें केवल सिक्किम में स्थित हैं और वहां की 25 झीलों को बेहद खतरनाक श्रेणी में रखा गया है।

एथेनॉल ब्लेंडिंग पर सुप्रीम कोर्ट में कल सुनवाई

मांग-पंपों पर बताया जाए पेट्रोल में कितना एथेनॉल मिला रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट 31 अगस्त को उस जनहित याचिका पर सुनवाई करेगी, जिसमें देश के सभी पेट्रोल पंपों के नोजल और पेट्रोल बिल पर एथेनॉल की सटीक मात्रा यानी प्रतिशत लिखे होने की मांग की गई है। एजेंसी के मुताबिक न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी। यह याचिका नरेंद्र कुमार गोस्वामी की ओर से दायर की गई है। याचिका में केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों को यह निर्देश देने का अनुरोध किया है कि पेट्रोल पंपों की हर डिस्पेंसिंग नोजल पर एथेनॉल ब्लेंडिंग का प्रतिशत स्पष्ट रूप से

लिखा जाए। इसके साथ ही, जब भी कोई ग्राहक पेट्रोल खरीदे, तो उसको मिलने वाली रसीद पर भी यह अनिवार्य रूप से लिखा हो कि उस ईंधन में कितने प्रतिशत एथेनॉल मिला हुआ है।

ऑनलाइन कपैटिबिलिटी डेटाबेस बनाने की मांग

याचिकाकर्ता ने अदालत से मांग की है कि सरकार एक आधिकारिक और सार्वजनिक ऑनलाइन डेटाबेस तैयार करे। इस डेटाबेस में वाहन निर्माता, मॉडल, इंजन के प्रकार और निर्माण के वर्ष के हिसाब से सर्च करने की सुविधा हो। इससे आम नागरिक यह आसानी से जान सकेंगे कि उनकी गाड़ी ई 20 या अन्य एथेनॉल मिश्रण के अनुकूल है या नहीं।

नमक-शकर-फैट ज्यादा हुआ तो पैकेट पर लिखनी होगी चेतावनी

● लाल षटकोण छपेगा, एफएसएसआईए का प्रस्ताव, सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब अगर पैकेड फूड में सेचुरेटेड फैट, शुगर और नमक की मात्रा तय लिमिट से ज्यादा है, तो कंपनियों को पैकेट पर षटकोण आकार का लाल निशान लगाना होगा। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा पेश कर इसकी जानकारी दी है। इसका मकसद उपभोक्ताओं को खाने-पीने की उन चीजों के प्रति जागरुक करना है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। 3 डी एंड अवर हेल्थ सोसाइटी नाम के एक पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर डिब्बा बंद या पैकेट वाले खाने पर अनिवार्य वार्निंग लेबल लगाने की मांग की थी। इस मामले की पिछली सुनवाई (13 अगस्त) के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने एफएसएसएआई को नियमों में देरी के लिए फटकार लगाई थी और पूछा था कि क्या सरकार नहीं चाहती कि उसके लोग स्वस्थ रहें। इसके बाद एफएसएसआईए ने यह हलफ नामा पेश किया है।

एफएसएसआईए ने सुप्रीम कोर्ट में दिया प्रस्ताव

एफएसएसआईए ने शीर्ष अदालत को सूचित किया है कि वह ज्यादा फैट, ज्यादा चीनी और नमक वाले खाने-पीने की चीजों के पैकेट पर सामने की तरफ एक लाल रंग का चेतावनी लेबल लगाने का प्रस्ताव दिया है। यह लेबल लोगों को आसानी से समझ आने वाली चेतावनी देगा। प्रस्ताव के मुताबिक, यह वार्निंग लेबल लाल रंग के षट्कोण (हेक्सागोनल- 6 कोनों वाला) आकार का होगा। इसे पैकेट के फ्रंट यानी ठीक सामने की तरफ लगाया जाएगा। कोई भी फूड प्रोडक्ट हाई फैट, हाई शुगर या हाई साल्ट की श्रेणी में आता है या नहीं, इसका फैसला एफएसएसआईए-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन द्वारा जारी डायट्री गाइडलाइंस फॉर इंडियंस, 2024 के मानकों के आधार पर किया जाएगा।

'ऊर्जा' क्षेत्र में कोयले पर निर्भरता कम करेगा भारत

● 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा देश

देश में 24 परमाणु ऊर्जा रिएक्टर संचालित, नौ रिएक्टर का चल रहा है निर्माण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्षमता विस्तार की गति बढ़ा दी है और 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। शुक्रवार को जारी आधिकारिक फैक्ट शीट में बताया गया कि इस समय में देश में 24 परमाणु ऊर्जा संयंत्र काम कर रहे हैं। इनकी कुल स्थापित क्षमता 8.78 गीगावाट है। 7.5 गीगावाट की संयुक्त क्षमता वाले नौ संयंत्रों का निर्माण चल रहा है। फैक्ट शीट में कहा गया है कि सरकार ने 10 स्वदेशी प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर (पीएचडब्लूआर) को स्थापित करने को मंजूरी दी है। 500 मेगावाट के दो फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (एफबीआर) के लिए प्रारंभिक परियोजना गतिविधियों को भी मंजूरी दी गई है। भारत का परमाणु कार्यक्रम तकनीकी आत्मनिर्भरता की रणनीति पर आधारित है। इसे देश के विशाल थोरियम भंडार का इस्तेमाल करने और साथ ही ईंधन पर लगे पुराने प्रतिबंधों से निपटने के लिए विकसित किया गया था। फैक्ट शीट में भारत के स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए तीन-चरण वाले परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम का उल्लेख किया गया है। इसके तहत भारत यूरेनियम-आधारित ईंधन से थोरियम-आधारित ईंधन की तरफ धीरे-धीरे बढ़ रहा है। यह देश में ही नवाचार को बढ़ावा देने के साथ ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

राहुल गांधी ने प्रोजेक्टर पर दिखाया खड़गे का भाषण

● कहा-हल्द्वानी में उनकी सभा के बाद मंच का शुद्धीकरण हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने प्रोजेक्टर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का भाषण दिखाया। राहुल ने कहा कि उत्तराखंड के हल्द्वानी में उनके भाषण के बाद मंच का शुद्धीकरण किया गया। प्रधानमंत्री दोषियों पर ऐक्शन लें। दलितों पर सदियों से अत्याचार हो रहा है। देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई है। हजारों साल से इस देश में दलितों पर अत्याचार, हिंसा की गई है। संविधान में यह गैरकानूनी है। लेकिन आज भी स्कूल में दलित बच्चों से टॉयलेट साफ कराया जाता है। झाड़ू-पोछा लगवाया जाता है। यह हिंदुस्तान की रियलिटी है। कई गांवों में उन्हें सार्वजनिक कुएं से पानी नहीं लेने दिया जाता, इसलिए अलग कुआं खोदना पड़ता है।

'दिमागी नक्सल' पर पीएम को आरएसएस का समर्थन!

● ऑर्गनाइजर ने सोनिया गांधी की एनसीए पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से कहा था कि जंगल से नक्सली खत्म हो गए हैं, अब उनकी जगह दिमागी नक्सलियों ने ले ली है। पीएम मोदी के इस बयान पर काफी घमासान मचा। अब पीएम मोदी के इस दिमागी नक्सल वाले बयान को आरएसएस का समर्थन मिलता दिख रहा है। आरएसएस की सहयोगी साप्ताहिक पत्रिका ऑर्गनाइजर ने अपने संपादकीय में यूपीए

सरकार के दौरान सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय सलाहकार परिषद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ऑर्गेनाइजर का तर्कहै कि यूपीए के दौर में सोनिया गांधी की अगुवाई वाली नेशनल एडवाइजरी काउंसिल (एनसीए) ने माओवादी सोच को पॉलिसी बनाने की प्रक्रिया में शामिल होने दिया।

संपादकीय में यह भी कहा गया कि दिमागी नक्सल शब्द का इस्तेमाल हर आंदोलनकारी या सुधारवादी समूह के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

एनसीए को बताया गया दिमागी नक्सलियों के कब्जे का उदाहरण

ऑर्गनाइजर ने अपने संपादकीय 'Classic takeover of the dimagi Naxals of governance' में आरोप लगाया कि एनसीए के जरिए माओवादी विचारधारा से प्रभावित सोच ने नीति निर्माण में जगह बनाई। संपादकीय में ऑर्गनाइजर ने एनसीए को शासन-व्यवस्था पर दिमागी नक्सलियों के कब्जे का एक बेहतरीन उदाहरण बताया। इसमें कहा गया है कि हथियारबंद विद्रोह बुरी तरह नाकाम रहा है।

तमिलनाडु में विजय सरकार के लिए होंगे फुलटाइम गवर्नर

● आंध्र के पूर्व सीएम किरण कुमार रेड्डी हो सकते हैं राज्यपाल

चेन्नई (एजेंसी)। बीजेपी ने तमिलनाडु के नए सीएम सी जोसेफ विजय को एनडीए के करीब लाने के लिए खास रणनीति बनाई है। प्रधानमंत्री के विदेश दौरे से लौटने के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल के साथ राज्यों में खाली पड़े राज्यपाल के पद भी भरे जाएंगे। तमिलनाडु में भी प्रभारी गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर की जगह एन किरण कुमार रेड्डी को राज्यपाल बनाया जा सकता है। एन. किरण कुमार रेड्डी संयुक्त आंध्र प्रदेश के आखिरी मुख्यमंत्री रहे हैं। वाईएस राजशेखर रेड्डी के हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन के बाद कांग्रेस ने वाईएस जगन मोहन रेड्डी के दावे को दरकिनार कर उन्हें सीएम बनाया था।

सीएम ने उत्तराखण्ड राज्य क्रीड़ा विवि के प्रथम चरण के निर्माण कार्यों का किया शिलान्यास

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम, गौलापार, हल्द्वानी में उत्तराखण्ड राज्य क्रीड़ा विश्वविद्यालय, मानसखण्ड खेल परिसर के प्रथम चरण के 43.50 करोड़ के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रथम शैक्षणिक सत्र का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहाड़ के पानी और पहाड़ की जवानी का सही दिशा में उपयोग करने के लिए खेल एक सशक्त माध्यम है। उत्तराखण्ड के युवाओं में अद्भुत ऊर्जा और प्रतिभा है। आवश्यकता उन्हें सही मंच, आधुनिक संसाधन, बेहतर प्रशिक्षण और आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने की है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में खेलों के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पदक विजेता खिलाड़ियों एवं उनके प्रशिक्षकों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया। उन्होंने देवभूमि उत्तराखण्ड खेल रत्न पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार, लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार एवं हिमालय रत्न पुरस्कार प्रदान किए। मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से खेल छात्रवृत्ति भी प्रदान की गई। मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों एवं खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मेजर ध्यानचंद की जयंती पर हल्द्वानी से उत्तराखण्ड के खेल इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। क्रीड़ा विश्वविद्यालय के प्रथम चरण के निर्माण कार्यों का शिलान्यास और प्रथम शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के सपनों को नई उड़ान देगा। राज्य सरकार का लक्ष्य उत्तराखण्ड को खेलों के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करते हुए 'खेलभूमि' के रूप में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे केवल एक महान खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की जीवंत मिसाल थे। उन्होंने अपने असाधारण खेल कौशल से पूरे दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाया।

मेजर ध्यानचंद का जीवन हमें प्रेरणा देता है कि प्रतिभा को महानता में बदलने के लिए कठोर परिश्रम, अनुशासन और समर्पण आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य क्रीड़ा विश्वविद्यालय की स्थापना प्रदेश के खेल क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अभी तक खेल शिक्षा और विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए प्रदेश के खिलाड़ियों को दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब उन्हें अपनी देवभूमि में ही उच्च स्तरीय खेल शिक्षा, आधुनिक प्रशिक्षण और आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलेंगे। आने वाले वर्षों में यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों की नई पीढ़ी तैयार करने का प्रमुख केंद्र बनेगा। कार्यक्रम में खेल मंत्री रेखा आर्या, विधायक राम सिंह कैड़ा, सांसद नैनीताल ऊधमसिंह नगर अजय भट्ट, विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, विधायक सरिता आर्या, जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरमवाल, मेयर हल्द्वानी गजराज सिंह बिष्ट, दायित्वधारी डॉ. अनिल कपूर डब्बू, दिनेश आर्या, शंकर कोरंगा, ध्रुव रौतेला, सुरेश भट्ट, रेनू अधिकारी, हुकुम सिंह कुंवर, दीपक माहरा, कुलदीप बुटोला, मोहन पाठक, उत्तराखण्ड ओलंपिक संघ के अध्यक्ष महेश नेगी, विशेष प्रमुख सचिव खेल अमित कुमार सिन्हा, कुमाऊं आयुक्त एवं सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत, आईजी श्रीमती निवेदिता कुकरेती, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, निदेशक खेल दीप्ति सिंह, एसएसपी डॉ. मंजुनाथ टी.सी., सीडीओ अरविन्द कुमार पाण्डे आदि मौजूद थे।

देवभूमि खेल पुरस्कार से खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक सम्मानित

वर्ष 2024 के लिए एथलेटिक्स की अंकिता को देवभूमि उत्तराखण्ड खेल रत्न पुरस्कार तथा एथलेटिक्स के ही लोकेश चौधरी को द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्ष 2025 के लिए शूटिंग के अभिनव देशवाल को खेल रत्न पुरस्कार, क्याकिंग एंड कैनोइंग के मुकेश शर्मा को द्रोणाचार्य पुरस्कार तथा बॉक्सिंग के मुकेश चन्द्र बेलवाल को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान किया गया। दिव्यांग श्रेणी में शूटिंग के शौर्य सैनी को हिमालय रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया। मॉडर्न पैंटाथलॉन में टीम श्रेणी में सक्षम प्रताप सिंह एवं ममता खाती तथा बॉक्सिंग में एकल श्रेणी में खुशी चंद को हिमालय खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सभी पुरस्कार विजेताओं को नकद धनराशि के साथ प्रशस्ति पत्र, ब्लेजर एवं शॉल प्रदान किए गए।

राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी और प्रशिक्षक पुरस्कृत

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर अंतराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और उनके प्रशिक्षकों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। सम्मानित खिलाड़ियों में एथलेटिक्स की अंकिता, बॉक्सिंग की खुशी चंद, हॉकी की मनीषा चौहान, वॉलीबॉल के रफीक अहमद, कबड्डी की भूमिका एवं राहुल सिंह, बैडमिंटन के चिराग बरेठा, मनोज सरकार एवं मनदीप कौर, मॉडर्न पैंटाथलॉन के सक्षम प्रताप सिंह, ब्लाइंड फुटबॉल की शेफाली रावत, लॉन बॉल की निलिमा राय तथा शूटिंग के आर्यवंश त्यागी एवं वैभव शामिल रहे। उत्कृष्ट प्रशिक्षकों में एथलेटिक्स कोच लोकेश कुमार, बॉक्सिंग कोच बिजेन्द्र मल्ल, शूटिंग कोच अमित, वॉलीबॉल कोच गिरीश कुमार एवं कबड्डी कोच नितिन कुमार को भी पुरस्कृत किया गया।

एक नजर

रुद्रपुर में भड़काऊ भाषण देने वाला मुफ्ती गिरफ्तार

रूद्रपुर। बारावफात जुलूस के दौरान त्रिशूल चौक पर कथित भड़काऊ भाषण देने के मामले में पुलिस ने रामपुर के दड़ियाल टांडा निवासी मुफ्ती मुजीब को गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार को रुद्रपुर में निकाले गए जुलूस के दौरान त्रिशूल चौक पर सभा आयोजित की गई थी। इसी दौरान दिए गए भाषण का वीडियो अगले दिन इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद मामला तूल पकड़ गया। वीडियो में मुफ्ती मुजीब मदरसों को बंद करने संबंधी किसी भी निर्णय पर आपत्ति जताते हुए दिखाई दे रहे थे। उन्होंने मदरसों में शिक्षा दिए जाने की बात कहते हुए कथित तौर पर बंद किए जाने की स्थिति में परिणाम भुगतने की चेतावनी भी दी। साथ ही वीडियो में ईदगाह की भूमि वापस करने की मांग करते हुए भी वह नजर आए। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुफ्ती मुजीब के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। शुक्रवार देर रात उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। रम्पुरा चौकी प्रभारी के अनुसार पूछताछ के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। शनिवार को उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा।

विधायक निधि से बने सीसी मार्ग और टिन शेड का लोकार्पण

जौलीग्रांट। क्षेत्रीय विधायक बृजभूषण गैरोला ने वार्ड संख्या चार स्थित बुरांस कॉलोनी में 4.82 लाख की विधायक निधि से निर्मित सीसी मार्ग का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि मार्ग बनने से कॉलोनीवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई है।

इसके बाद विधायक ने राजकीय इंटर कॉलेज बड़ोवाला जौलीग्रांट में चार लाख रुपये की विधायक निधि से निर्मित टिन शेड का भी लोकार्पण किया। उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों और अभिभावकों के साथ विद्यालय की समस्याओं पर चर्चा की। कहा कि टिन शेड बनने से छात्र–छात्राओं और शिक्षकों को शैक्षणिक, सांस्कृतिक व सामूहिक गतिविधियों के आयोजन में सुविधा मिलेगी। इस दौरान पंकज शर्मा, अरुण सोलंकी, राकेश डोभाल, विनीत मनवाल, आदेश पंवार, प्रशांत सोलंकी, अक्षय चंदेल, बंटी पाल, शिव चरण गोदियाल, परमानंद चमोली मौजूद रहे।

सर्वधर्म समभाव से मजबूत होगी सामाजिक एकता

डोईवाला। अपेक्स फाउंडेशन की ओर से डोईवाला की जागरूक महिलाओं के सहयोग से सर्वधर्म समभाव और महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक एकता को मजबूत करने का संदेश दिया गया।डोईवाला में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष सुखविंदर कौर ने किया। उन्होंने कहा कि समाज की मजबूती, आपसी भाईचारे, सम्मान और सभी धर्मों के प्रति समान भाव रखने से ही संभव है। आयोजित समिति की अनीता अग्रवाल ने कहा कि डोईवाला में महिलाओं को जागरूक और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए प्रयास हो रहे है। जिला पंचायत अध्यक्ष और कासिम अली ने महिलाओं और प्रतिभागियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक प्रमुख नगीना रानी, कुसुम सिद्धू, कांग्रेस महिला नगर अध्यक्ष रश्मि देवराडी, सुषमा चौधरी, राजवीर खत्री, आकाश, शार्दुल नेगी, मंजू राजपूत आदि मौजूद रहे।

रानीबाग चित्रशिला घाट मंदिर पर हंगामा

हल्द्वानी। शहर के काठगोदाम के रानीबाग चित्रशिला घाट स्थित मंदिर पर शनिवार दोपहर जमकर हंगामा हुआ। पहाड़ी आर्मी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का आरोप है कि मंदिर के पीछे अवैध कब्जा करने के इरादे से कुछ लोग व्यावसायिक निर्माण करवा रहे हैं। विवाद की सूचना पर तुरंत पुलिस पहुंची और पहाड़ी आर्मी के अध्यक्ष हरीश रावत समेत पांच–छह लोगों को हिरासत में लेकर मामले को शांत कराया।

हालांकि इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का काफिला भी उस तरफ से निकलने से महकमे में और हलचल मच गई।

स्टोन क्रशर के 15 लाख रुपये निजी खाते में डालने का आरोप

सेलाकुई। स्टोन क्रशर के भुगतान की करीब 15 लाख रुपये की रकम फर्म के खाते में जमा करने के बजाय निजी खाते में डालकर हेराफेरी करने के आरोप में वांछित चल रहे आरोपी को सेलाकुई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी फरार होने की फिराक में था।

पुलिस के अनुसार, संजय कुमार निवासी बेरी, झज्जर, हरियाणा ने 19 जुलाई 2026 को थाना सेलाकुई में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि अरुण कुमार ने स्टोन क्रशर के भुगतान की रकम फर्म के खाते में जमा करने के बजाय अपने निजी खाते में डाल दी और करीब 15 लाख रुपये की हेराफेरी की। शिकायत के आधार पर थाना सेलाकुई में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। थानाध्यक्ष के निर्देश पर पुलिस टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने 22 अगस्त को आरोपी अरुण कुमार (38 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक आरोपी मूल रूप से शाकुम्भरी देवी रोड, बेहट, सहारनपुर का रहने वाला है और वर्तमान में भाऊवाला, सेलाकुई में रह रहा था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

मेडिकल कॉलेज निर्माण की समय सीमा तय करे सरकार

नई टिहरी। टिहरी में मेडिकल कॉलेज निर्माण करने की मांग को लेकर संयुक्त संघर्ष समिति के बैनरतले लोग 14वें दिन क्रमिक धरने पर बैठे रहे। धरना स्थल पर हुई बैठक में आंदोलनरत लोगों ने कहा कि मेडिकल कॉलेज केवल घोषणा तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सरकार से मेडिकल कॉलेज निर्माण की समयसीमा, प्रस्तावित भूमि और भूमि हस्तांतरण की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। शनिवार को गणेश चौक बौराड़ी में धरना स्थल पर हुई बैठक में कांग्रेस के शहर अध्यक्ष कुलदीप पंवार ने कहा कि सरकार को अब स्पष्ट करना चाहिए कि टिहरी में मेडिकल कॉलेज की स्थापना कब तक की जाएगी। पूर्व में दो मुख्यमंत्री मेडिकल कॉलेज निर्माण की घोषणा कर चुके हैं, लेकिन इसके बाद भी धरातल पर कोई ठोस कार्रवाई की नहीं की जा रही है।

मलबा लेकर जा रहा डंपर अनियंत्रित होकर पलटा, हादसे में चालक घायल

गुप्तकाशी। गुप्तकाशी–लमगौंडी मोटरमार्ग पर एक स्कूल के ऊपर शनिवार अपराह्न सड़क चौड़ीकरण कार्य में लगा डंपर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में चालक वाहन से निकलकर झाड़ियों में जा गिरा, जिससे वह घायल हो गया। डंपर कुछ मीटर नीचे स्कूल के पास जा गिरा और वहां बने शौचालय क्षतिग्रस्त हो गए। जानकारी के अनुसार काकड़ा–गुप्तकाशी बाईपास राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कर रही कार्यदायी संस्था की ओर से इन दिनों सड़क कटिंग का काम किया जा रहा है। कटिंग से निकलने वाले मलबे को डंपरों के माध्यम से डंपिंग क्षेत्र तक पहुंचाया जा रहा है। एक डंपर मलबा लोड करते समय अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे जा गिरा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चालक को उपचार के लिए गुप्तकाशी अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने घायल का प्राथमिक उपचार किया। स्थानीय निवासी मदन सिंह रावत ने बताया कि कार्यदायी संस्था को पहले भी सुरक्षा को लेकर अवगत कराया गया था। उन्होंने कहा कि यदि यह हादसा विद्यालय संचालन के समय होता तो बड़ा नुकसान हो सकता था। उधर, चौकी प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल चालक को अस्पताल पहुंचाया गया।

वंदना वर्मा समेत 41 पुलिसकर्मी मैन ऑफ द मंथ से सम्मानित

देहरादून। पुलिस कार्यालय देहरादून में आयोजित सैनिक सम्मेलन में उत्कृष्ट कार्य और कर्तव्यनिष्ठा के लिए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून ने सम्मेलन में पुलिस कर्मियों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

सम्मेलन के दौरान सुश्री वंदना वर्मा को विशेष रूप से उनके सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने 14 जून 2026 को जोराघाट, असम में शहीद हुए स्वर्गीय स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह के पार्थिव शरीर को देहरादून स्थित उनके आवास तक निर्बाध और सम्मानपूर्वक पहुंचाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं के सुव्यवस्थित क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके योगदान के लिए विंग कमांडर अंशुल चतुर्वेदी, कमांडिंग ऑफिसर एवं असिस्टेंट प्रोवोस्ट मार्शल की ओर से भेजे गए प्रशस्ति पत्र के आधार पर उन्हें सम्मानित किया गया।

वहीं, दून चिकित्सालय चौक पर ड्यूटी के दौरान कर्तव्यनिष्ठा, लगन और मेहनत से दायित्वों का निर्वहन करने वाले अपर उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस विजय प्रसाद रतूड़ी को पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल परिक्षेत्र द्वारा प्रदान किए गए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

41 पुलिस कर्मियों को मिला मैन ऑफ द मंथ सम्मान

एसएसपी देहरादून ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कुल 41 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को "मैन ऑफ द मंथ" सम्मान से नवाजा। इनमें कोतवाली डालनवाला के उपनिरीक्षक अश्वनी बलूनी, 40वीं वाहिनी पीएसी की अपर उपनिरीक्षक निशा राणा व महिला हेड कांस्टेबल पम्मी झा, कोतवाली ऋषिकेश के कांस्टेबल सौरभ वालिया व संदीप छावड़ी, कोतवाली नगर के अपर उपनिरीक्षक हरिप्रसाद, दूरसंचार के हेड कांस्टेबल महेश, थाना रायपुर के कांस्टेबल प्रदीप फर्सवाण व प्रवीन पंवार, कोतवाली डोईवाला के उपनिरीक्षक कमलेश गौड़ व कांस्टेबल देनेश रावत शामिल हैं।

इसके अलावा कोतवाली विकासनगर के हेड कांस्टेबल राजेंद्र सिंह, कोतवाली मसूरी के उपनिरीक्षक पंकज महिपाल व कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार, थाना सेलाकुई के हेड कांस्टेबल धनवीर, स्थानीय अभिसूचना इकाई के कांस्टेबल देवेंद्र सिंह नेगी व कुलदेव सिंह, कोतवाली पटेलनगर के कांस्टेबल कैलाश पंवार, कोतवाली रायवाला के कांस्टेबल नंद किशोर, यातायात के अपर उपनिरीक्षक योगेंद्र सिंह, महिला कांस्टेबल आरती व होमगार्ड शैलेंद्र पाल को भी सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वालों में थाना नेहरू कॉलोनी के अपर उपनिरीक्षक अंशुल सिंह बर्त्वाल, थाना रानीपोखरी के अपर उपनिरीक्षक दिनेश खंडूरी, थाना बसंत विहार के थानाध्यक्ष शैंकी कुमार, वरिष्ठ उपनिरीक्षक दुर्गेश कोठियाल, उपनिरीक्षक सुनील नेगी, अपर उपनिरीक्षक महेंद्र सिंह नेगी, कांस्टेबल जितेंद्र कुमार व कांस्टेबल हेमवती नंदन बहुगुणा, कोतवाली कैंट की महिला कांस्टेबल विनिता शर्मा भी शामिल रहीं। पुलिस लाइन देहरादून के हेड कांस्टेबल शैलेंद्र सिंह, अरविंद कंडारी, कांस्टेबल प्रमोद रावत, हेड कांस्टेबल कुलदीप विद्यार्थी, हेड कांस्टेबल अजय शाह और महिला कांस्टेबल प्रेमा बिष्ट, थाना राजपुर के उपनिरीक्षक अनित कुमार, कोतवाली प्रेमनगर के उपनिरीक्षक प्रद्युम्न सिंह नेगी, साइबर सेल देहरादून के हेड कांस्टेबल भरत रावत व महिला कांस्टेबल रचना को भी मैन ऑफ द मंथ सम्मान प्रदान किया गया।

मिनी स्विट्जरलैंड: खूबसूरती पर प्लास्टिक का खतरा

रुद्रप्रयाग। मिनी स्विट्जरलैंड के नाम से प्रसिद्व चोपता–तुंगनाथ क्षेत्र पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही के बीच अब प्लास्टिक कचरे की समस्या से जूझ रहा है। मक्कूमठ से चोपता बाजार और तुंगनाथ–चंद्रशिला ट्रैक तक सड़क किनारे और आसपास के प्राकृतिक क्षेत्रों में जगह–जगह प्लास्टिक बोतलें और कचरा नजर आ रहा है। वहीं बारिश के पानी के साथ बहकर यह कचरा संवेदनशील क्षेत्रों तक भी पहुंच रहा है।

चोपता–तुंगनाथ क्षेत्र अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ दुर्लभ वन्यजीवों और बुग्यालों व औषधीय पादपों के लिए भी महत्वपूर्ण है। क्रिसमस, न्यू ईयर और पर्यटन सीजन में यहां बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। खासकर चंद्रशिला ट्रैक युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय है लेकिन बढ़ते पर्यटन के साथ कचरे का दबाव भी बढ़ रहा है। स्थानीय स्तर पर चंद्रशिला ट्रैक पर पर्यटकों की संख्या सीमित करने की मांग उठ रही है, ताकि बुग्यालों और प्राकृतिक क्षेत्र को नुकसान से बचाया जा सके।

हल्द्वानी में कार्यक्रम स्थल के शुद्धिकरण पर प्रीतम सिंह का हमला ,दोषियों पर कार्रवाई की मांग

देहरादून। हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की परिवर्तन संकल्प रैली के बाद कार्यक्रम स्थल के कथित शुद्धिकरण को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष एवं चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे संविधान की भावना, सामाजिक न्याय और समानता के मूल सिद्धांतों के खिलाफ बताया है। प्रीतम सिंह ने कहा कि इस मामले की राज्यसभा में भी भर्त्सना की गई थी और जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था। इसके बावजूद अब तक दोषियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के बयानों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जिस तरह से दोषियों के पक्ष में बयान दिए जा रहे हैं, उससे पूरा प्रकरण और गंभीर हो गया है। उन्होंने सरकार से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रीतम सिंह ने कहा कि लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्था में जाति अथवा सामाजिक पहचान के आधार पर भेदभाव की कोई जगह नहीं है। संविधान समानता और सामाजिक न्याय की गारंटी देता है तथा इन मूल्यों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता।

भाजपा के खिलाफ कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी की कथित दलित विरोधी मानसिकता और दलित समाज के सम्मान के विरुद्ध की जा रही बयानबाजी के विरोध में शनिवार को महानगर कांग्रेस कमेटी देहरादून एवं उत्तराखंड कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग ने भाजपा के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। विरोध कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर दलित समाज के सम्मान और अधिकारों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। नेताओं ने कहा कि दलित समाज के सम्मान के साथ किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। कार्यक्रम में उत्तराखंड कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मदन लाल, प्रदेश अध्यक्ष महिला कांग्रेस ज्योति रौतेला, प्रदेश अध्यक्ष सोशल मीडिया अभिनव थापर, प्रदेश उपाध्यक्ष सी.पी. सिंह, प्रदेश महासचिव याकूब सिद्दीकी, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. जसविंदर पाल सिंह (गोगी), प्रदेश अध्यक्ष गोरखा विभाग अनिल बस्नेत सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान नीरज त्यागी, महेंद्र नेगी गुरुजी , संजय गौतम, पूनम खंडारी, अशोक कुमार, नितेश राजोरिया, रोबिन त्यागी, सुनील जायसवाल, अनूप सक्सेना, ललित बद्री, वीरेंद्र पंवार, मुकीम अहमद भूरा, दीपक मधवाल, हरजीत सिंह, सूरत सिंह लम्मा, पिया थापा, गगन छज्जर, करण गगट, राजकुमार सिंह और अमित तलवार समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि दलित समाज के सम्मान और सामाजिक न्याय के मुद्दे पर पार्टी आगे भी अपनी आवाज मजबूती से उठाती रहेगी।

बारिश में बह गईं होटल कारोबारियों की उम्मीदें

देहरादून। पहाड़ों की रानी मसूरी में हो रही बारिश से जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। बारिश का असर शहर के पर्यटन कारोबार पर भी पड़ा है। लगातार हो रही बारिश और देहरादून–मसूरी मार्ग पर आए दिन हो रहे भूस्खलन से मसूरी के होटल उद्योग को काफी नुकसान उठाना पड़ा है।

सड़क बंद होने की खबरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के कारण पर्यटकों में भी असमंजस की स्थिति पैदा हो रही है, जिससे कई पर्यटक अपनी बुकिंग रद्द कर रहे हैं। छोटे–बड़े भूस्खलन की नकारात्मक खबरों के कारण पर्यटक असमंजस में है। गलत सूचनाओं के कारण पर्यटन पर उसका खासा असर पड़ा है। इस बार बारिश अपेक्षाकृत अधिक होने के कारण देहरादून–मसूरी मार्ग पर कई स्थानों पर भूस्खलन हुआ। इससे पर्यटन कारोबार प्रभावित हुआ और होटल व्यवसायियों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा। बारिश से सड़कों की हालत खराब हो गई है। बड़ी संख्या में पर्यटकों ने बुकिंग रद्द की है। सुरक्षा की दृष्टि से मसूरी पूरी तरह से सुरक्षित है लेकिन सड़कों और भूस्खलन की नकारात्मक सूचनाओं का असर पर्यटन पर पड़ रहा है।

मानकों के विपरीत बने स्पीड ब्रेकर और गड्ढों पर फूटा लोगों का गुस्सा

अनामिका की मौत के बाद संबंधित विभागों पर कार्रवाई की उठी मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में मानकों के विपरीत बनाए गए स्पीड ब्रेकर और सड़कों पर बने गड्ढों को लेकर लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। अनामिका की सड़क हादसे में मौत के बाद बेरोजगार संघ के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने पुलिस क्षेत्राधिकारी को तहरीर सौंपकर संबंधित विभागों और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

बेरोजगार संघ के अध्यक्ष राम कंडवाल के नेतृत्व में लोग पुलिस क्षेत्राधिकारी अस्मिता ममगाईं से मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि कोटद्वार शहर और आसपास के क्षेत्रों में कई स्थानों पर बिना मानकों का

कोटद्वार में पुलिस क्षेत्राधिकारी को तहरीर सौंपते स्थानीय लोग।

पालन किए स्पीड ब्रेकर बनाए गए हैं। कई ब्रेकर इतने ऊंचे हैं कि वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है और दोपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बना रहता है। लोगों ने कहा कि शुक्रवार को अनामिका की मौत भी सड़क की ऐसी ही अव्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। उनका कहना था कि इससे पहले भी स्पीड ब्रेकर और गड्ढों के कारण कई लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो चुके हैं। मानपुर क्षेत्र में भी स्पीड ब्रेकर की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत का मामला सामने आ चुका है। आरोप लगाया कि चिल्लरखाल से लेकर कोटद्वार के विभिन्न हिस्सों तक कई स्पीड ब्रेकर निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं हैं। अधिकांश स्थानों पर वाहन चालकों को पहले से सचेत करने के लिए चेतावनी संकेतक नहीं लगाए गए हैं। वहीं कई स्पीड ब्रेकरों पर सफेद रंग या चूने से मार्किंग तक नहीं की गई है। ऐसे में रात के समय ब्रेकर दिखाई नहीं देने से हादसों का खतरा और बढ़ जाता है। लोगों ने कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़ी खामियों को दूर करने के बजाय संबंधित विभागों की ओर से लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने मांग की कि हादसों के लिए जिम्मेदारी तय करते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए और शहर में मानकों के अनुरूप स्पीड ब्रेकर बनाए जाने के साथ सड़कों के गड्ढों को भी तत्काल भरा जाए। इस मौके पर रमेश भंडारी, शिवानंद लखेड़ा, मनमोहन खंतवाल सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को खेलों के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के असिस्टेंट रजिस्ट्रार डा. ज्योति सक्सेना, अरुण खंतवाल, शशि रावत और मुकेश अधिकारी ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलों में भी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि खेल न केवल विद्यार्थियों को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखते हैं, बल्कि उनमें अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं।

बैडमिंटन में नागार्जुन और अदिति ने मारी बाजी

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित हुई बालक-बालिका वर्ग की प्रतियोगिता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बालक और बालिका वर्ग की बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में नागार्जुन और बालिका वर्ग में अदिति ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डीएस नेगी ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जीवन और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद का समर्पण, अनुशासन और खेल के प्रति लगन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर खेलों में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डा. हीरा सिंह ने छात्र-छात्राओं को खेल भावना के साथ अनुशासित जीवन जीने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के साथ उनके व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बैडमिंटन प्रतियोगिता के बालक वर्ग में नागार्जुन ने प्रथम और शुभम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बालिका वर्ग में अदिति प्रथम और सलोनी द्वितीय रहीं। इस अवसर पर डा. संदीप कुमार, डा. मोहन कुकरेती, डा. शेखर मैठाणी और अरविंद दुदपुड़ी सहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर प्रतिभावान खिलाड़ियों का सम्मान

राष्ट्रीय खेल दिवस पर कांग्रेस ने युवा खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राष्ट्रीय खेल दिवस और महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर शनिवार को कोटद्वार में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे युवा खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

प्रदेश कांग्रेस सचिव बलबीर सिंह रावत के कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने मेजर ध्यानचंद तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी केएस रावत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर की हॉकी प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले कोटद्वार के खिलाड़ियों को स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

खिलाड़ियों को सम्मानित करते कांग्रेसी

स्कूल्स गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) की ओर से इंदौर में आयोजित अंडर-14 बालिका वर्ग की राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली प्राची (जीजीआईसी घमंडपुर), कल्पना (इंटर कॉलेज मोटाढांक) और विजय लक्ष्मी (जीजीआईसी कोटद्वार) को सम्मानित किया गया। वहीं टीकमगढ़, मध्य प्रदेश में आयोजित अंडर-14 बालक वर्ग की राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले यशवर्धन (जीएचएस शिवराजपुर) को भी सम्मान मिला। खिलाड़ियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रशिक्षकों को भी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि छोटे शहरों में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। जरूरत उन्हें उचित मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और अवसर देने की है। उन्होंने युवाओं से मेजर ध्यानचंद के जीवन से प्रेरणा लेकर खेलों में निरंतर मेहनत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री जसबीर राणा, रंजना रावत, राजे सिंह आर्य, विजय नेगी, प्रेम सिंह पयाल, वीरेंद्र सिंह रावत, दलीप सिंह रावत, गोकुल सिंह नेगी, शीला भारती, ज्योति, बबीता, सुषमा रावत, महाबीर सिंह नेगी, संदीप सिंह रावत, जावेद, भीमेंद्र पंवार, चंद्रमोहन सिंह रावत, नरेंद्र सिंह नेगी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

कालेश्वर मंदिर भूमि स्वामित्व विवाद में अब 21 को होगी सुनवाई

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : श्री कालेश्वर मंदिर परिसर की भूमि के स्वामित्व को लेकर गढ़वाल राइफल्स और श्री कालेश्वर मंदिर समिति के बीच चल रहे विवाद में अब अगली सुनवाई 21 सितंबर को होगी। पूर्व निर्धारित सुनवाई के बाद न्यायालय ने मामले की अगली तारीख तय की है।

मामले में गढ़वाल राइफल्स की ओर से अधिवक्ता पवन कमल ने न्यायालय में पक्ष रखते हुए संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत किए थे। वहीं, श्री कालेश्वर मंदिर समिति की ओर से भी भूमि के स्वामित्व एवं अधिकारों को लेकर अपना पक्ष रखा जा रहा है। कालेश्वर मंदिर लैंसडौन की धार्मिक एवं ऐतिहासिक पहचान से जुड़ा महत्वपूर्ण स्थल है। ऐसे में मंदिर परिसर की भूमि के स्वामित्व से जुड़े इस मामले पर क्षेत्रवासियों की भी नजर बनी हुई है। अब 21 सितंबर को होने वाली सुनवाई में मामले की आगे की कानूनी कार्यवाही पर महत्वपूर्ण निर्णय सामने आने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

जीजीआईसी मलेथा ने जीती चैपिंयनशिप

श्रीनगर गढ़वाल : पंडित जगतराम गौड़ की स्मृति में आयोजित तीन दिवसीय बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मलेथा ने चैपिंयनशिप कब्जाई। चौरास स्थित गढ़वाल विवि के खेल मैदान में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच राइंका धद्दी घंडियाल और राबाइंका मलेथा के मध्य खेला गया। राबाइंका ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। राइंका धद्दी घंडियाल ने आठ ओवरों में विपक्षी टीम को 67 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राबाइंका मलेथा ने अंतिम ओवर की पांच गेद पहले ही मैच जीता। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर राबाइंका मलेथा की संध्या मैन आफ द सीरीज चुनी गई, जबकि राइंका धद्दी की आरुषी को बेस्ट बॉलर का खिताब मिला। इससे पूर्व हुए सेमीफाइनल मैच का शुभारंभ एसडीएम कीर्तिनगर पंकज भट्ट ने किया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने कहा कि बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता की पहल एक सराहनीय कदम है। इस मौके पर आयोजक देवेंद्र गौड़, सुबोधनी गौड़, अवधेश गौड़, क्षेत्र पंचायत सदस्य रानीहाट मनोज जोशी, प्रधान संगठन कीर्तिनगर के अध्यक्ष वासुदेव भट्ट, जयकृष्ण पैन्यूली आदि मौजूद रहे।

जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर छात्र

कीर्तिनगर : राजकीय प्राथमिक विद्यालय खोला कड़ाकोट का भवन जर्जर होने से छात्र जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं। विद्यालय में खोला, सील और पहलगांव के बच्चे अध्ययनरत हैं। भवन की खराब हालत को लेकर अभिभावकों में भी चिंता बनी हुई है। सुरक्षा के लिहाज से प्रधानाध्यापक द्वारा भवन निर्माण के लिए निदेशालय को करीब 35 लाख रुपये का प्रस्ताव भेजा गया था, लेकिन बजट स्वीकृत नहीं हो पाया है।जिला पंचायत सदस्य कविता देवी ने बताया कि ग्रामीण लंबे समय से विद्यालय के लिए नए भवन निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन बजट के अभाव में समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में विभाग के अधिकारियों और तहसील प्रशासन से भी चर्चा कर समाधान की मांग की गई है। विद्यालय भवन की स्थिति को देखते हुए शिक्षा विभाग ने अब बच्चों की सुरक्षा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की तैयारी शुरू कर दी है। खंड शिक्षाधिकारी डॉ. वाईएस नेगी ने बताया कि भवन काफी जर्जर हो चुका है। सुरक्षा के लिहाज से प्रधानाध्यापक को विद्यालय का संचालन किसी सुरक्षित स्थान पर करने के निर्देश दिए गए हैं। स्थानीय निवासियों ने शिक्षा विभाग से भवन की मरम्मत करने और कक्षाओं का संचालन सुरक्षित स्थान पर किए जाने की मांग की है। (एजेंसी)

डिजिटल का प्रभाव व साइबर क्राइम की जानकारी ली

उत्तरकाशी। माय भारत की ओर से युवाओं में नेतृत्व विकास सहित संचार और शासन कौशल विकसित करने के लिए तीन दिवसीय फ्यूचर यूथ लीडर्स बूटकैंप का शुभारंभ किया गया। इसके पहले दिन के दो सत्र में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए 35 युवक-युवतियों को नेतृत्व विकास सहित कुशल राजनीतिज्ञ और डिजिटल सहित साइबर क्राइम की जानकारी दी गई। शनिवार को मांडो रोड स्थित होटल में माय भारत पोर्टल की ओर से आयोजित बूटकैंप का सभासद आदित्य चौहान, पूर्व ब्लॉक प्रमुख चंदन पंवार, उपनिदेशक अविनाश कुमार सिंह ने किया। उसके बाद प्रथम सत्र में सभासद व पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष आदित्य चौहान ने युवाओं को छात्र राजनीति से शुरू नेतृत्व विकास की जानकारी दी गई।

दूसरे सत्र में पत्रकार विपिन नेगी ने युवाओं को डिजिटल के बढ़ते प्रभाव सहित साइबर क्राइम के बारे में जानकारी दी। सोशल मीडिया के लाभ और हानी का आज के समय पर असर पर घटित घटनाओं के बारे में बताया।

रस्साकशी में शारीरिक शिक्षा विभाग की टीम बनीं विजेता

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर गढ़वाल विवि खेल बोर्ड एवं शारीरिक शिक्षा एवं खेल विभाग की ओर से शनिवार को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

रस्साकशी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में शारीरिक शिक्षा विभाग की टीम विजेता रही, जबकि आर्यभट्ट छात्रावास उपविजेता रहा। महिला वर्ग में भी शारीरिक शिक्षा विभाग की टीम विजेता रही और अलकनंदा छात्रावास उपविजेता रहा।

विवि के खेल विभाग के सहायक निदेशक मोहित बिष्ट ने बताया कि स्टॉफ बैडमिंटन प्रतियोगिता में एनआईटी की टीम विजेता व गढ़वाल विवि के एजुकेशन विभाग की टीम उप विजेता रही। स्कूल टीम की प्रतियोगिता में एसजीआरआर श्रीनगर विजेता और कान्वेंट स्कूल श्रीनगर की टीम ने उपविजेता का खिताब हासिल किया। कॉलेज टीम में महिला वर्ग में एचएनबीजीयू की टीम विजेता और एनआईटी की टीम उप विजेता रही। पुरूष वर्ग की शतरंज प्रतियोगिता में विशाल सिंह प्रथम, अभिषेक भारती द्वितीय और हर्षित सैनी तृतीय रहे। इससे पूर्व बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ बिड़ला परिसर निदेशक प्रो. हरिभजन सिंह चौहान ने किया जबकि रस्साकशी प्रतियोगिता का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ प्रो. नारायण सिंह पंवार ने किया। शतरंज प्रतियोगिता के शुभारंभ के मुख्य अतिथि प्रो. मोहन सिंह पंवार रहे। (एजेंसी)

खेलों से अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का होता है विकास : शैलेंद्र रावत

महापौर ने राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में हॉकी प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम के महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। खेलों से जहां युवाओं का शारीरिक विकास होता है, वहीं उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता भी विकसित होती है।

उन्होंने युवाओं से खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। शनिवार को महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। महापौर ने कहा कि खेल केवल जीत और हार तक सीमित नहीं हैं। इनके माध्यम से युवाओं में टीम भावना, आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। खेल स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ ही युवाओं में सकारात्मक

खिलाड़ियों का परिचय लेते महापौर शैलेंद्र सिंह रावत

सोच विकसित करते हैं और उन्हें चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मनाया जाने वाला यह दिवस युवाओं को खेलों के प्रति समर्पण, अनुशासन और उत्कृष्टता की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर खेल प्रतिभाओं को उचित प्रोत्साहन और सुविधाएं मिलने से युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और उसे प्रदर्शित करने के बेहतर अवसर मिलेंगे। इस अवसर पर पार्षद अनिल रावत, हिमांशु वर्मा और स्टेडियम प्रभारी श्याम सिंह डांगी सहित खिलाड़ी व खेल प्रेमी मौजूद रहे।

रस्सा-कस्सी में एमकेवीएन सीनियर सेकेंडरी स्कूल बना विजेता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की स्मृति में एमकेवीएन एजुकेशन ग्रुप की ओर से अंतर्विद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बालक वर्ग में सात किलोमीटर की 'लेट्स रन' मैराथन और बालिका वर्ग में रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता आयोजित हुई। मैराथन में मयंक नेगी ने बाजी मारी, जबकि रस्सा-कस्सी में एमकेवीएन सीनियर सेकेंडरी स्कूल की टीम विजेता रही। मैराथन का शुभारंभ कृषि मंडी समिति के पूर्व अध्यक्ष सुमन कोटनाला, डू समथिंग सोसाइटी के संरक्षक प्रकाश चंद्र कोठारी, पीएल खंतवाल, शंकर दत्त गौड़, रिपुदमन सिंह बिष्ट और जनार्दन प्रसाद ध्यानी ने संयुक्त रूप से किया। मोटरनगर से शुरू हुई मैराथन दौड़ एमकेवीएन स्कूल दुर्गापुरी के प्रांगण में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में क्षेत्र के 30 विद्यालयों के 438 धावकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। सात किलोमीटर की दौड़ में मयंक नेगी ने प्रथम स्थान हासिल किया। विजय दूसरे और आर्यन रावत तीसरे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में सुमित कुमार, रोहित, लोकेश, रोशन, हिमांशु, तनिष, हर्ष सैनी, आदर्श डबराल, आयुष बहुखंडी, वंश रावत और उज्ज्वल ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष 15 में स्थान बनाया। वहीं बालिका वर्ग में आयोजित रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता में क्षेत्र के 12 विद्यालयों की टीमों ने प्रतिभाग किया। कड़े मुकाबले के बाद एमकेवीएन सीनियर सेकेंडरी स्कूल की टीम विजेता, जबकि ज्ञान भारती पब्लिक स्कूल की टीम उपविजेता रही। विद्यालय के प्रबंध निदेशक प्रकाश चंद्र कोठारी और कार्यकारी निदेशक मयंक प्रकाश कोठारी ने मैराथन में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले धावकों को नकद पुरस्कार, टी-शर्ट, प्रशस्ति पत्र और ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया। आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना विकसित करने के साथ ही उन्हें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए प्रेरित करना है। इस मौके पर रिपुदमन बिष्ट, विपिन जदली, कविता रावत, रेखा नेगी, अशोक जखमोला, अनिल सैनी, चिराग कुकरेती, अतुल बडोला और विवेक सती सहित विद्यालय के शिक्षक, खेल प्रशिक्षक और अन्य लोग मौजूद रहे।

चन्द्रेश्वर महादेव मंदिर में रसोईघर व शौचालय की दिक्कत

बड़कोट। यमुनोत्री धाम यात्रा के प्रमुख पड़ाव और नगर पालिका क्षेत्र के बीचों-बीच स्थित प्राचीन चन्द्रेश्वर महादेव मंदिर परिसर में वर्षों से रसोईघर और शौचालय जैसी सुविधाओं का अभाव है। देवालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष खजान सिंह रावत ने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान मंदिर में आने वाले साधु-संतों और श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है। ऐसे में रसोईघर और शौचालय जैसी सुविधाएं जरूरी हैं। उन्होंने प्रशासन से बजट उपलब्ध कराकर जल्द निर्माण शुरू कराने की मांग की। पालिकाध्यक्ष विनोद डोभाल ने बताया कि चन्द्रेश्वर महादेव मंदिर के साथ भगवती मंदिर के विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए धर्म एवं संस्कृति विभाग को डीपीआर पहले ही भेजी जा चुकी है। मंदिर परिसर में पेयजल की व्यवस्था कराई गई है।

जिले में लंपी के 39 मामले, टीमें कर रही पशुओं की स्थिति की निगरानी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिले में पशुओं में लंपी स्किन डिजीज के अब तक 39 मामले सामने आए हैं। इनमें से आठ पशु उपचार के बाद स्वस्थ हो चुके हैं। पशुपालन विभाग की टीमें गांव-गांव पहुंचकर पशुओं की स्थिति की निगरानी कर रही हैं। पशुपालकों से किसी पशु के शरीर पर गांठ, बुखार या अन्य असामान्य लक्षण दिखाई देने पर तत्काल नजदीकी पशु चिकित्सा केंद्र या विभागीय टीम को सूचना देने को कहा गया है।

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. विशाल शर्मा ने बताया कि जिले में लंपी के मामले फिलहाल कम हैं और विभाग की ओर से स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि संदिग्ध पशुओं की जांच और उपचार के साथ ही पशुपालकों को बीमारी से बचाव के उपायों की जानकारी दी जा रही है। बीमारी की रोकथाम और संभावित प्रसार को नियंत्रित करने के लिए जिले में 100 टीमें गठित की हैं। टीमें प्रभावित और संभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी कर रही हैं। उन्होंने पशुपालकों से पशुओं को मक्खी और मच्छरों से बचाने की अपील की। बताया कि लंपी बीमारी के प्रसार में मक्खी-मच्छर जैसे वाहक भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में पशुशालाओं में साफ-सफाई रखने के साथ आसपास पानी जमा न होने देने और पशुओं को कीटों से सुरक्षित रखने पर विशेष ध्यान देना जरूरी है।

स्टार्टअप—चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डॉ. पी. द. ब. हि. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार के वाणिज्य संकाय द्वारा 29 अगस्त, 2026 को अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2026 के तत्वावधान में उद्यमिता के अंतर्गत स्टार्टअप-चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एवं मार्गदर्शन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी.एस. नेगी द्वारा किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी.एस. नेगी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में रचनात्मकता, नवाचार एवं उद्यमशीलता की भावना विकसित करने के साथ-साथ उन्हें रोजगार सृजन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। प्रतियोगिता का आयोजन प्रो. प्रीति रानी, प्रभारी, वाणिज्य विभाग के निर्देशन में किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए पोस्टरों की सराहना करते हुए कहा कि युवा शक्ति देश के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। निर्णायक मंडल में प्रो. आशा देवी, प्रभारी

दर्शनशास्त्र विभाग, डॉ. राकेश द्विवेदी, वनस्पति विज्ञान विभाग तथा डॉ. विनोद सिंह, प्रभारी चित्रकला विभाग शामिल रहे। निर्णायकों द्वारा पोस्टरों का मूल्यांकन विषय की प्रासंगिकता, रचनात्मकता, प्रस्तुतीकरण एवं विषय-वस्तु के आधार पर किया गया। प्रतियोगिता में बी.कॉम. पंचम सेमेस्टर की कुमारी दिव्यांशी ने प्रथम स्थान, बीजेएमसी तृतीय सेमेस्टर की कुमारी अंशिका बुड़ाकोटी ने द्वितीय स्थान तथा एम.कॉम. तृतीय सेमेस्टर की कुमारी नंदिनी गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में डॉ. अंशिका बंसल (असिस्टेंट प्रोफेसर) वाणिज्य विभाग का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर डॉ. रविंद्र कुमार, डॉ. गणेश प्रसाद एवं अरविंद दुधपुड़ी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए स्टार्टअप, नवाचार, उद्यमिता एवं रोजगार की संभावनाओं से संबंधित आकर्षक पोस्टर प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने अपने रचनात्मक विचारों एवं प्रस्तुतियों के माध्यम से स्टार्टअप के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों तथा विभिन्न चुनौतियों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता के माध्यम से स्टार्टअप एवं उद्यमिता से संबंधित अपने ज्ञान में वृद्धि की तथा नवीन विचारों को जानने और समझने का अवसर प्राप्त किया।

बाहर के व्यक्ति को चेयरमैन

टाटा परिवार आम चलन को तोड़ कर बाहर के व्यक्ति को चेयरमैन बनाने की उदारता तो दिखाता है, लेकिन उसे स्वतंत्र निर्णय नहीं लेने देता। यानी वह मालिक होने की पारंपरिक मानसिकता से उबर नहीं पाता। एन. चंद्रशेखरन के चेयरमैन पद छोड़ने से टाटा ग्रुप में जारी विवाद पर विराम जरूर लग गया है, लेकिन यह प्रकरण इस कंपनी समूह की संचालन प्रक्रिया पर गंभीर प्रश्न छोड़ गया है। चंद्रशेखरन इस सदी में टाटा परिवार के बाहर से आए टाटा संस के दूसरे चेयरमैन थे। ऐसे अन्य चेयरमैन साइरस मिस्त्री को विवादों के कारण उनके पद से हटा दिया गया था। उस घटनाक्रम को चंद्रशेखरन मामले से जोड़ कर देखें, तो प्रश्न उठता है कि क्या टाटा परिवार से बाहर से आए अधिकारियों से यह ग्रुप अलग अपेक्षाएं रखता है? क्या यह मान्यता है कि ऐसे व्यक्ति भले सबसे ऊंचे पद पर हों, लेकिन वे निर्णय टाटा परिवार के मनमाफिक ही लें? समझा जाता है कि एयर इंडिया के प्रबंधन, टाटा समूह के डिजिटल एवं ई-कॉमर्स उद्यमों से संबंधित नीति, साइबर सुरक्षा उपायों, और जैगुआर/ लैंड रोवर परियोजनाओं के संचालन पर टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा के साथ चंद्रशेखरन के मतभेद गहराए, जिससे नोएल ने उनकी दोबारा नियुक्ति का प्रस्ताव रोक दिया।

इसके पहले मिस्त्री ने कंपनी की कई परियोजनाओं को लेकर दीर्घकालिक नजरिया अपनाया, जिससे फौरी घाटे को वे नजरअंदाज कर रहे थे। समझा जाता है कि इससे रतन टाटा नाराज हो गए, जिसके परिणामस्वरूप 2016 में मिस्त्री को उनके पद से हटा दिया गया। लगभग वैसी ही घटना चंद्रशेखरन के साथ दोहराई गई है, हालांकि औपचारिक तौर पर उन्होंने नए कार्यकाल के लिए खुद के उपलब्ध ना होने की घोषणा की है। बहरहाल, यह गौरतलब है कि टाटा संस के निदेशक मंडल का बहुमत उन्हें एक और कार्यकाल देने के पक्ष में था, जिसे एक तरह से नोएल टाटा ने वीटो कर दिया। इस बात का परोक्ष उल्लेख चंद्रशेखरन ने अपने त्यागपत्र में भी किया है। तो कुल सूरत यह उभरती है कि टाटा परिवार भारत के आम चलन को तोड़ कर अपने से बाहर के व्यक्ति को चेयरमैन जैसा पद देने की उदारता तो दिखाता है, लेकिन उसे स्वतंत्र निर्णय नहीं लेने देता। यानी वह मालिक होने की पारंपरिक मानसिकता से उबर नहीं पाता। नतीजतन, चेयरमैन के स्वतंत्र निर्णय टकराव का कारण बन जाते हैं।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।

महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं - हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठा व्यक्तियों को जन्म देती है।

वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

कानून पढ़ने वाले छात्रों के निशाने पर मुख्य न्यायाधीश?

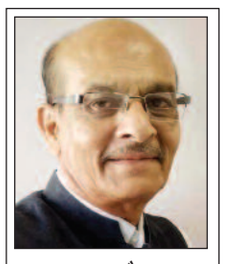

सनत जैन

भारत में न्यायपालिका को लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ माना जाता है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से देश की जनता केवल कानूनी फैसलों की अपेक्षा नहीं करती, बल्कि निष्पक्षता, संवेदनशीलता और संविधान के मूल्यों की रक्षा की उम्मीद भी करती है। ऐसे में जब देश के प्रमुख राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी ही मुख्य न्यायाधीश की भूमिका और सार्वजनिक आचरण पर सवाल उठाने लगें, तब इसे केवल एक व्यक्ति के विरोध के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह विरोध न्यायपालिका और नई पीढ़ी के बीच पैदा हो रहे विश्वास के संकट का सबसे बड़ा संकेत है। इसी तरह से आम जनता के लिए अलग, सरकार और बड़े-बड़े लोगों के लिए न्यायपालिका की अलग भूमिका को लेकर पिछले कुछ वर्षों में यह विरोध बढ़ता हुआ दिख रहा है। आम लोगों के दिमाग में यह बात घर कर रही है, कि इस देश में दो तरह के कानून लागू हैं। एक अमीरों के लिए और दूसरा गरीबों के लिए। हाल के घटनाक्रम ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। हैदराबाद स्थित नल्सर यूनिवर्सिटी के सैकड़ों विद्यार्थियों ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि बनाए जाने पर आपत्ति जताई। विद्यार्थियों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई से संबंधित मामले की सुनवाई में वीडियो देखने से इनकार किए जाने को लेकर सवाल उठाए। इसके बाद बेंगलुरु की प्रतिष्ठित नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) में भी विद्यार्थियों और पूर्व विद्यार्थियों ने मुख्य न्यायाधीश तथा बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा की प्रस्तावित उपस्थिति पर आपत्ति दर्ज कराई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 165 स्नातक विद्यार्थियों, 409 वर्तमान विद्यार्थियों और 128 पूर्व विद्यार्थियों ने इस संबंध में खुला पत्र जारी कर अपना विरोध दर्ज कराया। अंततः 2026 का दीक्षांत समारोह रद्द कर दिया गया। यूनिवर्सिटी ने विद्यार्थियों को डिग्रियां डाक से भेजना और स्वयं छात्रों को प्रदान करना शुरू कर दिया। यह घटना इसलिए असाधारण है, क्योंकि कानून के विद्यार्थी न्यायपालिका से बाहर के नहीं हैं। उन्हें लंबे समय तक कानून की पढ़ाई कर संविधान में नागरिकों के मौलिक अधिकार, कर्तव्य, संवैधानिक संस्थाओं व लोकतंत्र के बारे में ज्ञान अर्जित किया है। यह छात्र न्याय प्रक्रिया को समझने वाले वर्ग के हैं। वे संविधान, मौलिक अधिकार, न्यायिक समीक्षा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक स्वतंत्रता का ज्ञान हासिल किया है। यदि यही विद्यार्थी शांतिपूर्ण और संस्थागत तरीके से किसी न्यायिक पदाधिकारी के प्रति अपनी असहमति व्यक्त करते हैं, तो लोकतंत्र में इसे सुनना चाहिए, मनन कुमार मिश्रा ने बार काउंसिल की ओर से विरोध को दबाने का जो प्रयास किया था, उनका भी इन छात्रों ने विरोध किया। मुख्य न्यायाधीश की 'कॉकरोच' टिप्पणी पर भी युवाओं के बीच व्यापक प्रतिक्रिया हुई है। मई में एक सुनवाई के दौरान उन्होंने कुछ ऐसे युवाओं की तुलना 'कॉकरोच' से की थी, जो कानून के पेशे में रोजगार न मिलने के बाद मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई गतिविधियों के माध्यम से व्यवस्था पर हमला करते हैं। बाद में मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया, कि उनकी टिप्पणी फर्जी डिग्री के आधार पर पेशे में आने वाले लोगों के संदर्भ में थी, समूचे भारतीय युवाओं के लिए नहीं। मुख्य न्यायाधीश के इन शब्दों का लोकतंत्र में प्रभाव भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है, जितना शब्दों का उद्देश्य।

भयंकर तबाही का आगाज द रही है नेपाल की विनाशकारी आपदा

मनोज कुमार अग्रवाल

नेपाल में हाल ही में आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है, जिससे अब तक सेंकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है और ग सैकड़ों लोग लापता हैं। यह विनाशकारी आपदा नेपाल-चीन सीमा के पास रसुवा, नुवाकोट और धादिंग जैसे जिलों में मुख्य रूप से भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों के उफान पर आने के कारण हुई है। वैज्ञानिकों के अनुसार, उच्च हिमालयी क्षेत्र (लैंगटांग लिरुंग) में भारी मात्रा में बर्फ और चट्टानों के मलबे (एवलांच) के नदी में गिरने से एक अस्थायी बांध बन गया, जिसके अचानक फटने से यह प्रलयकारी बाढ़ आई है। नेपाल के रसुवा जिले जिले में आई विनाशकारी बाढ़ केवल एक स्थानीय प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र में बज रही खतरे की एक गंभीर घंटी है। साथ ही इस विनाशकारी बाढ़ ने एक बार फिर यह भी स्पष्ट कर दिया है कि हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं को केवल किसी एक देश की प्रशासनिक सीमा के भीतर समझना पर्याप्त नहीं है। नेपाल के बाढ़ पूवार्नुमान अधिकारियों के प्रारंभिक संकेत बताते हैं कि रसुवा क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर हुई अत्यधिक वर्षा ही इस आपदा का एकमात्र कारण नहीं थी। तिब्बत की ओर हुई भारी वर्षा और वहां की पर्वतीय भू-आकृतिक गतिविधियों ने भी नदी के अचानक उफान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो सकती है। यदि विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन इस संभावना की पुष्टि करते करते हैं, हैं, तो तो यह घटना पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। हिमालय केवल पर्वतों की श्रृंखला नहीं, बल्कि एक साझा प्राकृतिक तंत्र है। यहां एक स्थान पर होने वाला भूस्खलन, हिमस्खलन, अत्यधिक वर्षा या किसी प्राकृतिक जलाशय का टूटना कुछ ही घंटों में दूसरे देश के लिए विनाशकारी बाड़ का कारण बन सकता है। इसलिए आपदा प्रबंधन की मौजूदा व्यवस्था को राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़ाकर क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में विकसित करना समय की आवश्यकता है। हिमालय दुनिया के सबसे संवेदनशील पर्वतीय पारिस्थितिक तंत्रों में गिना जाता है। बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियर तेजी से पिमल रहे हैं, हिमपात का स्वरूप बदल रहा है, हिमनदीय झीलों का विस्तार हो रहा है और पर्वतीय ढलानों की स्थिरता प्रभावित हो रही है। इन परिवर्तनों के कारण ग्लेशियल लेक आउटवर्ट फ्लड यानी हिमनदीय झीलों के अचानक फटने, भूस्खलन और अचानक आने वाली बाढ़ का खतरा लगातार बढ़ रहा है। नेपाल की मौजूदा बाढ़ का अंतिम वैज्ञानिक कारण विस्तृत जांच के बाद ही सामने आएगा। इसलिए किसी एक कारण को जल्दबाजी में जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। लेकिन इस घटना को व्यापक जलवायु संकट से पूरी तरह अलग करके भी नहीं देखा जा सकता। हिमालयी क्षेत्र में हाल के वर्षों में अचानक बाढ़, भूस्खलन और हिमनदीय झीलों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आई हैं। असली चुनौती आपदा से पहले खतरे को पहचानना और लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाना है। हिमालयी क्षेत्रों में सड़क, सुरंग, जलविद्युत परियोजनाएं, पर्यटन ढांचा और सीमा संपर्क आर्थिक विकास के लिए आवश्यक हैं। स्थानीय आबादी को रोजगार, बेहतर परिवहन और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए इन परियोजनाओं का महत्व भी असंदिग्ध है। लेकिन हिमालय की भौगोलिक परिस्थितियां मैदानी क्षेत्रों से बिल्कुल अलग हैं। यहां विकास करते समय प्रकृति की सीमाओं और भूगर्भीय संवेदनशीलता को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। नदियों के प्राकृतिक मार्ग, बाढ़ के मैदान और अस्थिर ढलान निर्माण के लिए सबसे अधिक जोखिम वाले क्षेत्र हैं। जब ऐसे इलाकों में अनियोजित तरीके से सड़कें, भवन या अन्य बड़ी संरचनाएं खड़ी होती हैं, तो सामान्य तो सामान्य प्राकृतिक घटना भी बड़ी आपदा का रूप ले सकती है। नेपाल की बाढ़ से जलविद्युत क्षेत्र को भी नुकसान पहुंचने की सूचना है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार करीब 430 मेगावाट बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। यह केवल ऊर्जा उत्पादन की समस्या नहीं है। यह बताता है कि जलविद्युत परियोजनाओं की योजना बनाते समय जलवायु परिवर्तन, भूकंपीय संवेदनशीलता, बाढ़ और भूस्खलन के संयुक्त जोखिम का आकलन कितना आवश्यक है। नेपाल और तिब्बत के बीच हिमालय कोई अभेद्य दीवार नहीं है। नदियां, बादल, हिमनद और भूस्खलन राजनीतिक सीमाओं को नहीं पहचानते। तिब्बत में होने वाली अत्यधिक वर्षा या किसी नदी का अस्थायी रूप से अवरुद्ध होना नेपाल में कुछ ही घंटों के भीतर गंभीर संकट पैदा कर सकता है। इसलिए नेपाल और चीन के बीच वास्तविक समय में वर्षा, नदी के जलस्तर और संभावित भूस्खलन से संबंधित जानकारी साझा करने की ठोस व्यवस्था होनी चाहिए। उपग्रह निगरानी, स्वचालित जलस्तर केंद्र, साझा वैज्ञानिक अध्ययन और तेज चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना आवश्यक है। भारत के लिए भी यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है। हिमालय से निकलने वाली नदियों का प्रवाह अंततः बड़े क्षेत्र को प्रभावित करता है। ऊपरी इलाकों में अचानक बड़ा जलप्रवाह नीचे के क्षेत्रों तक असर डाल सकता है। इसलिए नेपाल, चीन और भारत के के बीच मौसम, नदी प्रवाह और आपदा संबंधी वैज्ञानिक सूचनाओं नाओं का आदान-प्रदान केवल कूटनीतिक सहयोग का विषय नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की सुरक्षा से जुड़ा सवाल है। अचानक बाड़ आने पर पहली प्राथमिकता लोगों को जान बचाना होती है। सेना, पुलिस, स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवी संगठनों की त्वरित भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रहती है। लेकिन पानी उतर जाने के बाद राहत से भी बड़ी चुनौती सामने आती है बेघर परिवारों का पुनर्वास, टूटी सड़कों और पुलों का पुनर्निर्माण, बिजली-पानी की बहाली और स्थानीय अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करना। पुनर्निर्माण का अर्थ केवल टूटी संरचना को उसी स्थान पर उसी रूप में दोबारा खड़ा करना नहीं होना चाहिए। यदि कोई पुल या सड़क बार-बार याद बाढ़ की चपेट में आने वाले इलाके में उसी पुराने डिजाइन के साथ बनाई जाती है, तो अगली आपदा में नुकसान दोहराया जाना तय है। इसीलिए अब बिल्ड बैंक बेटर की सोच अपनानी होगी अर्थात ऐसी अवसंरचना तैयार की जाए जो भविष्य के जलवायु और प्राकृतिक आपदा जोखिमों को ध्यान में रखकर अधिक सुरक्षित और टिकाऊ हो। नेपाल की यह बाड़ केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि हिमालय में तेजी से बदलती परिस्थितियों का संकेत है। एक ओर जलवायु परिवर्तन तापमान और वर्षा के पुराने स्वरूप को बदल रहा है, तो दूसरी ओर अनियोजित निर्माण, वनों पर दबाव और संवेदनशील ढलानों पर बढ़ता मानवीय हस्तक्षेप जोखिम को बढ़ा रहा है। है। समाधान प्रकृति से से संघर्ष में नहीं, बल्कि प्रकृति की सीमाओं को समझकर विकास की दिशा तय दिशा तय करने में है। नदियों की उनका प्राकृतिक स्थान देना होगा, अस्थिर ढलानों पर निर्माण नियंत्रित करना होगा, हिमनदों और हिमनदीय झीलों की लगातार निगरानी करनी होगी और स्थानीय समुदायों को आपदा से पहले की तैयारी का प्रशिक्षण देना होगा। सबसे जरूरी बदलाव हमारी सोच में होना चाहिए। आपदा प्रबंधन का अर्थ मकेवल हादसे के बाद राहत, मुआवजा और पुनर्निर्माण नहीं है। आधुनिक आपदा प्रबंधन का वास्तविक उद्देश्य आपदा आने से पहले जोखिम पहचानना, समय पर चेतावनी देना और संभावित नुकसान को न्यूनतम करना है। हिमालय बार-बार चेतावनी दे रहा है। अब सवाल यह है कि क्या सरकारें, वैज्ञानिक संस्थान और समाज इस चेतावनी को समय रहते समझेंगे, या हर नई त्रासदी के के बाद वही राहत और पुनर्निर्माण का चक्र दोहराया जाता रहेगा। हिमालय हमें सचेत कर रहा है, यदि हमने इसकी चेतावनियों को अनसुना किया, तो आने वाले समय में इसके परिणाम इससे भी अधिक भयानक और विनाशकारी होंगे।

हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इससे बनीं अस्थायी झीलें कभी भी फट सकती हैं, जिससे निचले इलाकों में अचानक महाविनाश आ सकता है। मानसून के पैटर्न में बड़ा बदलाव आया है। अब कम समय में अत्यधिक भारी बारिश (क्लाउडबर्स्ट) होती है, जिसे सोखने में जमीन असमर्थ रहती है। पहाड़ों में बिना सही इंजीनियरिंग के सड़कों और इमारतों का निर्माण भूस्खलन को सीधे न्योता दे रहा है। नेपाल की नदियाँ भारी गाद (मिट्टी) के कारण उथली हो रही हैं, जिससे पानी बहुत जल्दी किनारों को तोड़कर रिहायशी इलाकों में घुस जाता है।

नेपाल की नदियों जैसे कोसी और गंडक का पानी बिहार के मैदानी इलाकों में आता है। नेपाल में मचे इस हाहाकार के बाद भारतीय सीमा से सटे बिहार के कई जिलों में बाढ़ का अलर्ट जारी कर दिया गया है। भारत सरकार ने आपदा की गंभीरता को देखते हुए फौरन कदम उठाए हैं। भारतीय वायुसेना के जरिए दवाइयां, टेंट और स्लीपिंग बैग्स समेत 50 टन से अधिक की आपातकालीन राहत सामग्री नेपाल भेजी जा चुकी है।

बाढ़ और भूस्खलन को रोकने के लिए वनों की सुरक्षा, मजबूत तटबंधों का निर्माण और आधुनिक चेतावनी प्रणालियों का उपयोग करना जरूरी है। पहाड़ों की ढलानों पर अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। पेड़ों की जड़ें मिट्टी को पकड़ कर रखती हैं, जिससे भूस्खलन रुकता है। नदियों के किनारों पर मजबूत बांध या तटबंध बनाएं। नदियों के तल से गाद (रेत और मिट्टी) को समय-समय पर निकालें ताकि पानी का बहाव न रुके। मौसम और भारी बारिश की सटीक जानकारी देने वाले यंत्र लगाएं। खतरे की समय पर चेतावनी मिलने से लोग सुरक्षित स्थानों पर जा सकते हैं।पहाड़ी ढलानों और नदी के पास असुरक्षित निर्माण कार्य पर रोक लगाएं। सड़कों और मकानों को बनाते समय मिट्टी की मजबूती का ध्यान रखें। स्थानीय लोगों को आपदा के समय बचाव के उपाय सिखाएं। सुरक्षित स्थानों और रास्तों की पहचान पहले से करके रखें।

डोभाल की कूटनीति और भारत-चीन संबंधों की नई करवट

ललित गर्ग

भारत-चीन संबंधों का सबसे कठिन दौर वर्ष 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद आया। चार वर्षों तक सीमा पर सैन्य तनाव बना रहा। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच सैनिकों की पूर्ण वापसी और संबंधित विवादों के समाधान के बाद संबंधों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

भारत और चीन के संबंधों में पिछले कुछ वर्षों की तल्खी के बाद अब संवाद, संयम और व्यावहारिक सहयोग का एक नया दौर दिखाई दे रहा है। इसे किसी अचानक आए परिवर्तन के रूप में नहीं, बल्कि सुरक्षा, कूटनीति और राष्ट्रीय हितों को साथ लेकर चलने वाली एक दीर्घकालिक प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। इस बदलते परिदृश्य में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनकर सामने आई है। 25 अगस्त को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता ने इस प्रक्रिया को ठोस आधार दिया है। दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति बनाए रखने, सीमा निर्धारण की दिशा में शीघ्र एवं सार्थक प्रगति करने तथा सैन्य-द्विपक्षीय संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने पर सहमति बनाई है। डोभाल की बीजिंग यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह केवल सीमा विवाद पर बातचीत नहीं थी। यह उस व्यापक प्रश्न पर विमर्श था कि क्या भारत और चीन प्रतिस्पर्धा के बावजूद सह-अस्तित्व, स्थिरता और पारस्परिक हितों का रास्ता तलाश सकते हैं। दोनों देशों ने दो अतिरिक्त सैन्य संपर्क-बिंदु और पूर्वी तथा मध्य क्षेत्रों में दो अतिरिक्त सैन्य दूरभाष संपर्क स्थापित करने पर सहमति जताई है। सीमा व्यापार, कैलाश-मानसरोवर यात्रा और सीमा-पार सहयोग को भी आगे बढ़ाने का निर्णय हुआ है।

अजीत डोभाल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे सुरक्षा और कूटनीति को परस्पर विरोधी नहीं मानते। उनका दृष्टिकोण स्पष्ट है-मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था ही प्रभावी कूटनीति की आधारभूमि बन सकती है। चीन के संदर्भ में भी भारत का संदेश यही रहा है कि सीमा पर शांति और स्थिरता के बिना द्विपक्षीय संबंधों का पूर्ण सामान्यीकरण संभव नहीं है। 25वें दौर की वार्ता में यही भारतीय दृष्टिकोण प्रमुखता से सामने आया। डोभाल का व्यक्तित्व केवल वार्ताकार का नहीं, बल्कि सुरक्षा रणनीतिकार का है। वे लंबे समय तक खुफिया तंत्र में रहे, विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में काम किया और बाद में खुफिया ब्यूरो के प्रमुख बने। भारत सरकार के अनुसार, उन्होंने पूर्वोत्तर, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और पाकिस्तान से जुड़े सुरक्षा मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। उनकी कार्यशैली में एक उल्लेखनीय संतुलन दिखाई देता है-जहां आवश्यक हो वहां कठोरता और जहां अवसर हो वहां संवाद। उड़ी के बाद की सर्जिकल कार्रवाई, बालाकोट की

कार्रवाई, डोकलाम संकट के दौरान कूटनीतिक प्रयास और आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनकी भूमिका इसी व्यापक दृष्टिकोण के उदाहरण माने जाते हैं। 2026 में उन्हें लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनके योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया।

भारत-चीन संबंधों का सबसे कठिन दौर वर्ष 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद आया। चार वर्षों तक सीमा पर सैन्य तनाव बना रहा। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच सैनिकों की पूर्ण वापसी और संबंधित विवादों के समाधान के बाद संबंधों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई। उसी वर्ष कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात में दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति तथा मतभेदों को संबंधों की समग्र दिशा को प्रभावित न करने देने पर जोर दिया था। यही वह बिंदु था जहां डोभाल की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई। दिसंबर 2024 में विशेष प्रतिनिधि स्तर की बातचीत से शुरू हुई प्रक्रिया अब 25वें दौर तक पहुंची है। इस बार आठ बिंदुओं पर बनी सहमति संकेत देती है कि बातचीत केवल औपचारिकता नहीं रह गई है। सीमा निर्धारण और सीमा प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ तथा कार्य समूहों को सक्रिय करना, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गलतफहमी रोकने के लिए मौजूदा सैन्य एवं कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग और नए संपर्क तंत्र बनाना व्यावहारिक विश्वास निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

भारत-चीन संबंध केवल सैनिक चौकियों और राजनयिक बैठकों तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क भी रहा है। कैलाश-मानसरोवर यात्रा की पुनर्बहाली और विस्तार, सीमा व्यापार मार्गों को फिर खोलना तथा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। 2026 में कैलाश-मानसरोवर यात्रा लिपुलेख और नाथू ला, दोनों मार्गों से संचालित हुई है। 25वें दौर की वार्ता में तीन निर्धारित सीमा व्यापार केंद्रों को फिर खोलने की प्रगति का स्वागत किया गया तथा व्यापार और तीर्थयात्रा को और मजबूत करने पर सहमति बनी। यह छोटा कदम नहीं है। सीमा पर सैनिकों की संख्या घटाना एक सुरक्षा उपाय है, लेकिन सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के लिए व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाना दीर्घकालिक शांति की सामाजिक नींव तैयार करता है।

शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा एक अवसर भी है, परीक्षा भी है। इसी पृष्ठभूमि में 12-13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की नजर है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा की संभावना जताई जा रही है। यदि यह यात्रा होती है तो यह सात वर्षों में उनकी पहली भारत यात्रा होगी। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार उनके साथ लगभग चार सौ अधिकारियों का बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी आ सकता है। हालांकि 27 अगस्त तक चीन की ओर से उनकी यात्रा की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए शी की संभावित यात्रा को केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी नहीं माना जाना चाहिए। यह भारत-चीन संबंधों की वास्तविक दिशा को परखने का अवसर हो सकती है। वर्ष 2019 का चेन्नई संवाद अपेक्षाकृत सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ था, लेकिन उसके एक वर्ष बाद गलवान ने संबंधों को गहरे संकट में डाल दिया। अब यदि शी नई दिल्ली आते हैं तो दोनों देशों के पास उस टूटे हुए विश्वास को सावधानी से जोड़ने का अवसर होगा। लेकिन भारत को उत्साह में अपनी मूल सुरक्षा चिंताओं को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे, सीमा निर्धारण का लंबित प्रश्न और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पारदर्शिता जैसी चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। इसलिए भारत की नीति मित्रता की आकांक्षा, लेकिन राष्ट्रीय हितों पर कोई समझौता नहीं होनी चाहिए।

डोभाल की विशेषता यही है कि वे संवाद को कमजोरी नहीं बनने देते और शक्ति को टकराव का पर्याय भी नहीं बनाते। उनकी कूटनीति में संदेश स्पष्ट है-भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी सुरक्षा कीमत पर नहीं, सहयोग चाहता है, लेकिन समानता के आधार परय संबंध सुधारना चाहता है, लेकिन सीमा की वास्तविकताओं को भुलाकर नहीं। आज भारत-चीन संबंध जिस मोड़ पर खड़े हैं, वहां डोभाल की भूमिका संकटमोचक से आगे बढ़कर विश्वास-निमार्ता और सुरक्षा-आधारित कूटनीति के सूत्रधार की बनती दिखाई देती है। 25वें दौर की वार्ता में हुई आठ सूत्रीय सहमति इसका प्रमाण है कि कठिनतम मतभेदों के बीच भी संवाद के रास्ते खुले रखे जा सकते हैं। शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा इस प्रक्रिया को शीर्ष नेतृत्व की राजनीतिक दिशा दे सकती है। किंतु असली सफलता किसी एक शिखर बैठक की तस्वीर में नहीं, बल्कि सीमा पर स्थायी शांति, पारस्परिक विश्वास, व्यापारिक संपर्क और विवादों के न्यायसंगत समाधान में होगी। भारत को चीन से संबंध सुधारने हैं, लेकिन अपनी सामरिक स्वायत्तता और सुरक्षा-सजगता के साथ। डोभाल की कूटनीति का सार भी यही है-संवाद के दरवाजे खुले रहें, पर राष्ट्रीय हितों की चौखट कभी कमजोर न हो। यही दृष्टिकोण भारत-चीन संबंधों को टकराव से प्रतिस्पर्धी सह-अस्तित्व और अंततः स्थायी शांति की ओर ले जाने की सबसे व्यावहारिक राह बन सकता है।

दिवगंत राज्य आंदोलनकारियों की पुण्य तिथि पर विशिष्ट कार्य करने वाले 15 लोग सम्मानित

पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने रोपा बेल पत्री का पौधा

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : विकासखण्ड पोखड़ा मुख्यालय के कृष्णमोहन चैक, शिवमन्दिर आईटीआई पोखड़ा में अभाविप के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष पोखड़ा एवं दिवगंत राज्य आन्दोलनकारी स्व0 कृष्णमोहन जोशी सहित सात तरूण युवाओं की 25वीं पुण्य स्मृति दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों मे विशिष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील कृषकों, कवि, लेखक आदि को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। जिनमें हरपाल सिंह बिष्ट, सुधीर सुन्द्रियाल, जगदीश जोशी, चन्द्रभानु प्रकाश, सानिया राणा, साक्षी पोखरियाल, हरीश मुंडेपी, कर्नल यशपाल नेगी, अंकित कण्डारी, श्यामलाल, सानिया राणा, विनोद विंजोला, प्रेमलाल, हरेन्द्र सिंह नेगी, सुमन ढौंडियाल आदि शामिल थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथि भगत सिंह कोश्यारी पूर्व राज्यपाल महाराष्ट्र/ पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड, पौड़ी विधायक राजकुमार पोरी ने किया। साथ ही दिवंगत राज्य आंदोलनकारियों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि भगतसिंह कोश्यारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि एक पेड़ माँ के नाम जो आज राष्ट्रीय कार्यक्रम बन चुका है, उसे विगत 25 वर्षों से संचालित करना सराहनीय एवं स्वागत योग्य कार्य है। इस दौरान पूर्व राज्यपाल ने बेल पत्री के पौधे का रोपण किया। वहीं कार्यक्रम के मुख्य संयोजक पुष्कर जोशी, विधायक राजकुमार पोरी, गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष पं0 राजेन्द्र अण्थ्वाल, रामेश्वरी जोशी, ब्लॉक प्रमुख संजय गुसांई, हरीश पोखरियाल, आशा-राम पंत, सुरेन्द्र सिंह रावत, सोवन सिंह रावत, शैलेन्द्र दर्शन, महिपाल सिंह नेगी, बलवन्त नेगी, जगमोहन रावत, अजय घनशाला, जगदम्बा डंगवाल, सुरेन्द्र रावत, नरेंद्र नेगी, राकेश नेगी, सोहन सिंह रावत, सतेन्द्र डंडरियाल ने कृष्णमोहन चौक परिसर, गैस एंजेसी पोखड़ा, हास्पिटल, आईटीआई पोखड़ा, विद्युत विभाग, डिग्री कालेज, पशु चिकित्सालय एवं डाकघर परिसर में आम, अमरूद, नींबू, मौसमी, अनार, अशोका, तेजपत्ता सहित फलदार, छायादार औषधि प्रजाति के सैकड़ो पौधों का रोपण किया। इस मौके पर कृषकों को इलायची सहित अन्य मसाला प्रजाति के पौधों का वितरण किया गया। भवान सिंह राणा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का संचालन गौरव जोशी, महेंद्र रावत ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए मुख्य संयोजक पुष्कर जोशी, रामेश्वरी जोशी ने मुख्य अतिथि सहित अन्य लोगों का आभार व्यक्त किया।

इंडोर क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर इंडोर क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य रूप से बैडमिंटन पुरुष महिला एकल वर्ग की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो डीएस नेगी ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुये हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद्र के जीवन पर प्रकाश डालते हुये छात्र छात्राओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आवाहन किया है मंच मंच का संचालन करते हुए शारीरिक शिक्षा के विभागध्यक्ष डॉ हीरा सिंह ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर प्रकाश डालते हुए छात्र–छात्राओं को अनुशासित जीवन जीने की सलाह दी। इंडोर बैडमिंटन एकल प्रतियोगिता में छात्र वर्ग मे नागार्जुन ने प्रथम स्थान और सुभम ने द्वितीय स्थान वहीं छात्रा वर्ग मे अदिति नेगी ने प्रथम स्थान व सलोनी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया इस अवसर पर डॉ संदीप कुमार, डॉ अरविन्द द्विवेदी, डॉ संदीप किमोठी, डॉ अनुपम कोठरी, अरविन्द दुदपुड़ी, डॉ मोहन कुकरेती, शेखर मेठानी व समस्त छात्र छात्राये मौजूद रहे।

15 साल बाद धाम पहुंची मां इंद्रामती की डोली

चमोली। गोपेश्वर क्षेत्र के टेढ़ा खनसाल क्षेत्र की आराध्य माता इंद्रामती की डोली अपने भक्तों के साथ वसुधारा के लिए रवाना हुई। शुक्रवार को करीब 15 वर्ष बाद माता की डोली बदरीनाथ धाम पहुंची। डोली के साथ करीब 120 श्रद्धालु भी धाम पहुंचे। श्रद्धालुओं ने भगवान बदरीनाथ के दर्शन कर पूजा–अर्चना की और क्षेत्र की सुख–समृद्धि व मंगलकामना की। बदरीनाथ धाम पहुंचने पर मां इंद्रामती की डोली ने मंदिर के मुख्य पुजारी रावल अमरनाथ नंबूदरी से भेंट की। इसके बाद डोली भगवान बदरीनाथ के सानिध्य में रातभर रही। शनिवार को विधिवत पूजा–अर्चना के बाद मां इंद्रामती की डोली श्रद्धालुओं के साथ वसुधारा के लिए रवाना हुई। करीब डेढ़ दशक बाद आयोजित इस धार्मिक यात्रा को लेकर टेढ़ा खनसाल के ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह रहा। डोली यात्रा के दौरान मां इंद्रामती के जयकारों से बदरीनाथ धाम का वातावरण भक्तिमय हो गया। यात्रा में पंडित गणेश मैठाणी, दुर्गा मैठाणी, दर्शन सिंह, हीरा सिंह, हरेंद्र सिंह समेत पुजारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे।

स्ट्रीट लाइटें लगाने के बाद कनेक्शन देना भूली पालिका

उत्तरकाशी। नगर पालिका की ओर से गंगोरी वार्ड के गर्मपानी और गणेशपुर क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट तो लगा दी गई लेकिन उनमें चार माह से बिजली का कनेक्शन न देने के कारण वह शोपीस बनी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि पालिका की ओर से लाइटों को लगाने के बाद आगे की किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है। स्थानीय निवासी प्रदीप राणा ने बताया कि नगरपालिका की ओर से गर्मपानी से गणेशपुर तक गंगोत्री हाईवे के किनारे और आवासीय बस्ती में स्ट्रीट लाइट लगाई गई थी लेकिन चार माह से इनमें बिजली नहीं आई है। पालिका की ओर से इनको अभी तक बिजली के कनेक्शन से नहीं जोड़ा गया है।

म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में अक्षिता, कनिष, शार्वी ने मारी बाजी

आर्मी पब्लिक स्कूल में उत्साह पूर्वक मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन में राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ स्पोर्ट्स कैप्टन आदर्श बिष्ट के प्रेरणादायक संबोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने मेजर ध्यानचंद के जीवन एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर आयोजित कक्षा 1 एवं 2 में म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में अक्षिता एवं कनिष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 3 से 5 की अंतर सदनीय प्रतियोगिता में टैगोर सदन की शार्वी ने प्रथम स्थान हासिल किया। जूनियर एवं वरिष्ठ वर्ग की बैडमिंटन प्रतियोगिता बालक वर्ग में अर्नव रावत प्रथम एवं अनुज द्वितीय तथा बालिका वर्ग में सृष्टि मैंदोला प्रथम एवं खुशी द्वितीय स्थान पर रही। इस अवसर पर प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुन्दरियाल ने विजेताओं को सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ खेलों में भी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर शारीरिक शिक्षक विजयपाल सिंह रावत, मीनाक्षी नौटियाल सहित शिक्षक-शिक्षिका मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

जर्जर आवासों की मरम्मत न होने पर कर्मियों में आक्रोश

नई टिहरी। उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी– शिक्षक संगठन की बैठक में नई टिहरी के जर्जर सरकारी आवासीय भवनों की मरम्मत के लिए सरकार से शीघ्र धनराशि उपलब्ध कराने की मांग की गई। कर्मचारियों ने कहा कि लंबे समय पर मरम्मत न होने के कारण जिला मुख्यालय के सरकारी आवासों की स्थिति जर्जर बनी हुई है। बैठक में पुरानी पेंशन बहाली, गोल्डन कार्ड की विसंगतियां दूर करने और 10, 16 व 26 वर्ष की सेवा पर एसीपी का लाभ देने की मांग भी उठाई गई। संगठन के प्रदेश संरक्षक पंचम सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में हुई बैठक में उन्होंने कहा कि कर्मचारियों और शिक्षकों की लंबित मांगों पर सरकार की ओर से सकारात्मक कार्रवाई नहीं की जा रही है। शासन स्तर पर वार्ताएं तो होती हैं, लेकिन समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। इससे कर्मचारियों में रोष है।बैठक में 13 सितंबर को देहरादून में प्रस्तावित विशाल रैली को सफल बनाने के लिए जिले से अधिकाधिक कर्मचारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष राजीव नेगी, सचिव राकेश भट्ट ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर कर्मचारी–शिक्षक कई वर्षों से आंदोलन कर रहे हैं लेकिन सरकार कोई निर्णय नहीं ले पा रही है।

पुरोला में नियमित सफाई नहीं होने से बढ़ी लोगों की परेशानी

पुरोला। नगर पालिका क्षेत्र में नियमित सफाई और नालियों की समय पर सफाई नहीं होने से व्यापारियों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शौचालयों की स्थिति भी देखरेख के अभाव में बदतर हो गई है। व्यापारियों ने इस असुविधा पर नगर पालिका प्रशासन के प्रति गहरी नाराजगी व्यक्त की है।नगर उद्योग व्यापार मंडल पुरोला ने शनिवार को पालिकाध्यक्ष बिहारी लाल शाह को ज्ञापन सौंपकर व्यवस्थाओं में सुधार की मांग की। व्यापार मंडल के अध्यक्ष अंकित पंवार के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि पुरोला बाजार में सफाई व्यवस्था ठीक नहीं चल रही है। बाजार में नियमित सफाई नहीं होने, नालियों की समय पर सफाई और रखरखाव के अभाव से गंदगी व दुर्गंध फैली रहती है। व्यापार मंडल ने फॉगिंग के समय पर भी आपत्ति जताते हुए कहा कि वर्तमान में दोपहर करीब दो बजे फॉगिंग कराई जा रही है। इस मौके पर अंकित पंवार, उमेंद्र रावत, उपेन्द्र राणा, अमित चौहान, उपेन्द्र असवाल, बलदेव रावत, भगवती लसियाल, टीपीएस भंडारी आदि मौजूद रहे।

छात्रों ने जागरूक मतदाता सशक्त लोकतंत्र का संदेश दिया

नई टिहरी। राजकीय इंटर कॉलेज छापराधार में छात्र–छात्राओं ने स्वीप कार्यक्रम के तहत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदाता जागरुकता संदेश दिया। छात्रों ने दुगर्म मतदान केंद्र तक मतदान पार्टी पहुंचने से लेकर मतदाताओं द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग करने की प्रक्रिया का जीवंत प्रदर्शन किया। प्रधानाचार्य गबर सिंह चौहान ने बताया कि छात्रों ने चुनावी प्रक्रिया का वास्तविक स्वरूप तैयार कर मतदान केंद्र से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाओं का प्रदर्शन किया। मतदाता द्वारा मतदान की गोपनीयता बनाए रखते हुए मतदान कर बाहर निकलने की प्रक्रिया प्रदर्शित की गई। प्रत्येक मतदाता का एक–एक वोट लोकतंत्र की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण है। नाटक में शिक्षक गौरव नकोटी, सावित्री डोभाल, रूद्रमणि डबराल ने सहयोग किया। छात्रों में मुख्य पीठासीन अधिकारी रोहित, मतदान अधिकारी प्रथम आयुष, महिला मतदाता शिवानी, प्रियांशी, युवा मतदाता आयुष कोठारी रहे।

नई टिहरी। प्रतापनगर के देवल गांव निवासी केतन लाल हत्याकांड में कार्रवाई की मांग को लेकर परिजन और ग्रामीणों का धरना शनिवार को छठवें दिन भी कलेक्ट्रेट परिसर में जारी रहा। छह दिन बाद भी मांगों पर कार्रवाई नहीं होने से परिजनों ने रोष जताया। उन्होंने मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी।

व्यापारी और उद्योग प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हल्द्वानी में व्यापारियों एवं उद्योग प्रतिनिधियों के साथ किया संवाद

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस कार्यक्रम के उपरांत आईटीसी फॉर्च्यून, हल्द्वानी में आयोजित संवाद कार्यक्रम में कुमाऊं मंडल के व्यापारियों, उद्योग प्रतिनिधियों एवं विभिन्न व्यापार मंडलों के पदाधिकारियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने व्यापारियों की समस्याओं, सुझावों एवं अपेक्षाओं को सुना और राज्य सरकार की ओर से उनके समाधान के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

संवाद के दौरान व्यापारियों एवं उद्योग प्रतिनिधियों ने जीएसटी से संबंधित प्रक्रियाओं के सरलीकरण, मंडी शुल्क, अतिक्रमण एवं पार्किंग की समस्या, लीज नवीनीकरण, औद्योगिक क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार, स्थानीय उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने तथा युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने सहित विभिन्न विषय मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापारी और उद्योग प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। व्यापारी न केवल रोजगार सृजन करते हैं, बल्कि उत्पादन और उपभोक्ता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में राज्य की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करते हैं। छोटे दुकानदार से लेकर बड़े उद्यमी तक प्रत्येक व्यापारी प्रदेश की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण भागीदार है। राज्य सरकार व्यापारियों एवं उद्यमियों के हितों के प्रति संवेदनशील है और उनके लिए सुरक्षित, पारदर्शी तथा सरल व्यावसायिक वातावरण तैयार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश में 29 हजार से अधिक नई एमएसएमई इकाइयां स्थापित हुई हैं, जिनसे लगभग 1.27 लाख युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिला है। सरकार की सोच स्पष्ट है कि शासन उद्योगों के लिए बाधा नहीं, बल्कि सहयोगी और भागीदार बने। उद्योग बढ़ेंगे तो रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और रोजगार बढ़ने से उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। इस अवसर पर सांसद नैनीताल-ऊधमसिंह नगर अजय भट्ट, राम सिंह कैड़ा, उत्तराखंड सरकार में दायित्वधारी नवीन लाल वर्मा, डॉ. अनिल कपूर 'डब्बू', शंकर कोरंगा, हुकुम सिंह कुंवर, व्यापार एवं उद्योग प्रतिनिधियों में कश्मीरी लाल गोयल, नीरज शारदा, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टी.सी., मुख्य विकास अधिकारी अरविन्द कुमार पाण्डे आदि मौजूद थे।

जर्जर पुल दे रहा है हादसों का न्योता

पुरोला। नगर पालिका क्षेत्र के मुख्य बाजार में कमल नदी पर स्थित करीब पांच दशक पुराने लोहे के गार्डर पुल की जर्जर हालत हो गई है। व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने लोनिवि और शासन से पुल की तत्काल तकनीकी जांच कराकर मरम्मत की मांग की है।

क्षेत्र के लोगों का कहना है कि मुख्य बाजार में स्थित यह पुल मोरी, त्यूणी और हिमाचल प्रदेश को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। व्यापारी बलदेव रावत, अंकित पंवार, चंद्रमोहन कपूर, सोनू चड्ढा और अरविंद खंडूरी आदि ने बताया कि समय रहते इनकी मरम्मत या नए पुलों का निर्माण नहीं कराया गया तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है। सुरक्षा के लिहाज से लोगों ने पुल की मरम्मत और विशेषज्ञों से तकनीकी जांच कराने कराने की मांग की है।

बच्चों और महिलाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बांधा समां

थत्यूड़ (टिहरी)। जौनपुर ब्लॉक के सकलाना क्षेत्र के हटवाल गांव में सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में गांव के बच्चों और महिलाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। विजेताओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि उत्तराखंड अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष संजय नेगी, विशिष्ट अतिथि सरिता रावत, बिजेंद्र सिंह भगत, मंदिर समिति के अध्यक्ष हुकम सिंह हटवाल, ग्राम प्रधान करिश्मा देवी ने महोत्सव का शुभारंभ किया। इस दौरान रीलें दौड़ का आयोजन किया गया। अंडर–10 आयु वर्ग में वरुण प्रथम, अंकुश द्वितीय और ऋषभ तृतीय रहे। अंडर–14 में प्रियाशी ने पहला, दिव्या ने दूसरा और पावनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर–17 में आरूषी प्रथम, कोमल द्वितीय और सपना तृतीय रही। स्वरोजगार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए अंजली हटवाल, हाईस्कूल परीक्षा में ग्राम स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर आंचल को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि अध्यक्ष संजय नेगी ने कहा कि ऐसे आयोजन गांवों की संस्कृति और सभ्यता को संजोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे नई पीढ़ी अपनी लोक परंपराओं और संस्कृति से जुड़ती है। विशिष्ट अतिथि बिजेंद्र सिंह भगत ने कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीणों और युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है।

एनसीसी कैडेट्स ने दिखाया दमखम

उत्तरकाशी। राष्ट्रीय खेल दिवस पर अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज गेंवला में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में एनसीसी कैडेट्स ने अपनी खेल प्रतिभा और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। कबड्डी और रस्साकशी में अल्फा कंपनी ने दबदबा कायम करते हुए कई मुकाबले अपने नाम किए, जबकि दौड़ की अलग–अलग कैटेगरी में चार कैडेट विजेता बने। एनसीसी के सोशल सर्विस एंड कम्युनिटी डेवलपमेंट कार्यक्रम के तहत आयोजित कबड्डी के बालक वर्ग में अल्फा कंपनी के अखिल चंद रमोला और बालिका वर्ग में अक्षरा रावत ने प्रथम स्थान हासिल किया। रस्साकशी में भी अल्फा कंपनी ने बालक और बालिका दोनों वर्गों में बाजी मारकर अपनी श्रेष्ठता साबित की।

सूरज की किरणों से रोशन होंगे पिलंग–जौड़ाऊ के घर

उत्तरकाशी। भटवाड़ी विकासखंड के दूरस्थ पिलंग और जौड़ाव को एक संस्था की ओर से ऑफ–ग्रिड सौर ऊर्जा संयंत्र से जोड़ा गया है। इसके तहत ग्रामीणों को 102 किलोवाट बिजली मिल पाएगी। इन दोनों दूरस्थ गांव में सबसे अधिक मानसून और बर्फबारी के दौरान बिजली कटौती के कारण परेशानी का सामना करना पड़ता है। संस्था की ओर से सोलर सिस्टम को तैयार कर संचालन के लिए ग्राम पंचायत को दिया गया है। साथ ही पिलंग में 78 और जौड़ाऊ में 35 परिवारों को सौर ऊर्जा की बिजली से जोड़ा गया है।

प्रज्ञा संस्था ने एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से दोनों गांवों में कुल 102 किलोवाट क्षमता के ऑफ–ग्रिड सोलर प्लांट स्थापित किए हैं। पिलंग में 67 और जड़ाऊ में 35 किलोवाट क्षमता का संयंत्र लगाया गया है। परियोजना के तहत विद्युत वितरण नेटवर्क और सौर जल ताप प्रणाली भी स्थापित की गई है। इन दोनों परियोजनाओं को बीते बृहस्पतिवार को विधिवत शुभारंभ कर दिया गया है। संस्था से जुड़े मनमोहन सिंह ने बताया कि दोनों गांव के पंचायत घरों सहित विद्यालयों में भी बिजली देने के साथ ही दो–दो एक हजार लीटर क्षमता के सोलर वाटर गीजर भी लगाए गए हैं। संस्था की ओर से इन गांवों में बिजली की अतिरिक्त सुविधा उपलब्ध करवाकर मानसून और बर्फबारी के सीजन में यह सहयोगी साबित होगी।

एक घंटे आफत की बारिश, सड़कें गदेरे में तब्दील

गोपेश्वर। शनिवार को करीब एक घंटे तक हुई तेज बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया। बारिश का पानी सड़कों पर जमा होने के साथ तेज बहाव में बहने लगा। देखते ही देखते सड़कें गदेरे में तब्दील हो गईं। होटल और दो दुकानों में गंदा पानी घुस गया। तेज बारिश के कारण लोगों को आवाजाही में भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

कई जगह सड़क पर पानी का बहाव इतना तेज रहा कि लोगों को संभलकर निकलना पड़ा। अचानक हुई बारिश से स्थानीय लोगों और व्यापारियों में अफरा–तफरी का माहौल रहा। बारिश थमने के बाद पानी की निकासी होने पर स्थिति धीरे–धीरे सामान्य हुई।

बारिश का येलो अलर्ट

प्रदेश के पर्वतीय इलाकों में आज मौसम विभाग की ओर से तेज दौर की बारिश बताई गई थी। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी

पूर्वानुमान के अनुसार रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, चमोली, नैनीताल और बागेश्वर जिले के कुछ इलाकों में बिजली चमकने के साथ तेज दौर की बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा अन्य जिलों में भी तेज दौर की बारिश होने का अनुमान है। आने वाले दिनों की बात करें तो करें तो सप्ताह भर प्रदेश भर में मौसम का मिजाज कुछ ऐसा ही रहेगा।

कुखुई गांव तक नहीं पहुंचे मोबाइल के सिग्नल

नई टिहरी। संचार क्रांति के युग में कुखुई के लोग मोबाइल का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। गांव में लगा मोबाइल टावर लंबे समय से शोपीस बना है। गांव में नेटवर्क की समस्या होने के कारण वीबी–जीरामजी के श्रमिकों को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

नरेंद्रनगर ब्लॉक का सीमांत गांव कुखुई दिउली कई समस्याओं से जूझ रहा है। प्रधान सोहन सिंह रावत ने डीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि गांव में मोबाइल नेटवर्क की समस्या होने पर शासन–प्रशासन में लगातार पत्राचार करने पर एक साल पहले कुखुई गांव में मोबाइल टावर लगाया गया था।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्धार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

संक्षिप्त समाचार

चीन के सिचुआन प्रांत में लगे भूकंप के झटके

बीजिंग, एजेंसी। भूकंप के झटके बाद नेपाल में फ्लड फ्लैश से मची तबाही के बीच चीन में भूकंप के तेज झटके महसूस हुए हैं। चीन के सिचुआन प्रांत स्थित लोंगचांग शहर शुक्रवार को 5.1 तीव्रता का जोरदार भूकंप महसूस किया गया है। भूकंप के तेज झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। चाइना अर्थक्वेक नेटवर्क्स सेंटर ने भूकंप की पुष्टि करते हुए बताया कि लॉन्गचांग शहर में 5.1 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र लॉन्गचांग शहर बताया जा रहा है। भूकंप के झटके दर्ज किए जाने के बाद स्थानीय प्रशासन अलर्ट मोड पर है और प्रभावित इलाकों में स्थिति पर नजर रखी जा रही है। बता दें कि चीन में भूकंप की खबर ऐसे समय में आई है, जब पड़ोसी देश नेपाल पहले से ही बाढ़ और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है। ज्ञात हो कि चीन के सिचुआन प्रांत में पहले भी कई बार भूकंप आ चुके हैं, इसलिए यहां लोग भूकंप को लेकर हमेशा सतर्क रहते हैं। शुक्रवार को लगे भूकंप के झटके से फिलहाल किसी तरह के नुकसान या जनहानि को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

पहली विदेश यात्रा पर भारत आएंगे पीएम बालेन शाह, नेपाली वित्त मंत्री का बड़ा एलान

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले ने गुरुवार को बताया कि पदभार संभालने के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह अपनी पहली विदेश यात्रा भारत की करेंगे। हालांकि, वागले ने अभी तारीख नहीं बताई, लेकिन वाग्ले ने संकेत दिया है कि अगर सब कुछ तय कार्यक्रम के मुताबिक रहा तो शाह इस साल के अंत से पहले भारत आ सकते हैं। इस दौरान दौरान स्वर्णिम वागले ने नेपाल की अर्थव्यवस्था को 100 अरब डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य, भारतीय और नेपाली रुपये की विनिमय दर, हालिया बाढ़ राहत कार्यों और प्रधानमंत्री बालेन शाह की कार्यशैली पर भी विस्तार से चर्चा की। वागले ने कहा, पदभार ग्रहण करने के बाद बालेन का पूरा ध्यान घरेलू मुद्दों पर ही केंद्रित था। हमारे शुरुआती 100 दिन 100 सूत्री एजेंडे पर केंद्रित रहे, जिसमें हमने खुद को 87.2 प्रतिशत अंक दिए हैं। उन्होंने आगे कहा, इसके बाद हमने प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर चर्चा शुरू की। मुझे पूरा विश्वास है कि उनकी पहली विदेश यात्रा भारत की ही होगी। हालांकि, तारीखों पर अभी फैसला होना बाकी है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह दौरा इसी साल के अंत से पहले होगा। कार्यक्रम में मौजूद भारत की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रविशंकर प्रसाद ने इस घोषणा को बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, नेपाल और भारत के संबंधों की नींव इतनी मजबूत है कि इन्हें पासपोर्ट या सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता। अगर आज वागले ने यह स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री बालेन शाह की पहली विदेश यात्रा भारत की होगी, तो यह दर्शाता है कि भविष्य में दोनों देशों के रिश्ते किस सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेंगे। यह सचमुच एक महत्वपूर्ण संदेश है। गौरतलब नेपाल में इसी साल मार्च महीने में हुए आम चुनाव में बालेन शाह के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने भारी जीत हासिल की। जिसके बाद बालेन शाह ने 27 मार्च 2026 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।

कनाडा को चिढ़ाने के चक्कर में फिर ट्रोल हुआ व्हाइट हाउस, उल्टा पड़ा बाज और हंस की फोटो का दांव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और कनाडा के बीच चल रहे कूटनीतिक और व्यापारिक तनाव के बीच कनाडा को नीचा दिखाने के लिए एक बाज द्वारा कनाडाई हंस को दबोचने की फोटो पोस्ट की, जिसमें एक अमेरिकी बाज (गंजा बाज) कनाडाई हंस को दबोचे हुए दिख रहा है। व्हाइट हाउस ने इसे अमेरिकी ताकत का प्रतीक बनाकर शेयर किया, लेकिन यह कूटनीतिक दांव उल्टा पड़ गया। क्योंकि जिस वीडियो से यह तस्वीर ली गई थी, उसमें अंततः कनाडाई हंस ने ही पलटवार कर बाज को खदेड़ दिया था। दरअसल, व्हाइट हाउस द्वारा शेयर की गई तस्वीर का मकसद यह था कि अमेरिका एक शक्तिशाली बाज की तरह हावी है और कनाडा की बत्तख हार मान चुकी है। हालांकि, गोवा के एक प्रवासी द्वारा रिकॉर्ड किए गए मूल फुटेज ने इस कहानी का पूरा पासा ही पलट दिया। बर्फ पर करीब 20 मिनट तक चले इस हवाई संघर्ष में कनाडाई बत्तख ने ऐसा पलटवार किया कि अंततः अमेरिकी गंजे बाज को हार मानकर वहां से उड़ना पड़ा। यह अद्भुत दृश्य 23 फरवरी 2025 को ओंटारियो के बर्लिंगटन में मर्विन सेक्वेरा ने अपने कैमरे में कैद किया था। मूल रूप से गोवा के रहने वाले मर्विन कनाडा बसने के बाद एक उत्साही वन्यजीव फोटोग्राफर बन गए हैं। घटना की जानकारी देते हुए मर्विन सेक्वेरा ने ग्लोबल न्यूज को बताया कि उन्होंने बाज को हंस पर बार-बार हमला करते देखा था।

नेपाल की प्रलयंकारी बाढ़ में अपनों की तलाश, फोन की घंटी बजने के इंतजार में कटी परिजनों की रातें

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल-तिब्बत सीमा पर रसुवा जिले में संदिग्ध ग्लेशियर फटने से आई प्रलयंकारी बाढ़ ने एक पवित्र यात्रा को भीषण त्रासदी में बदल दिया है। भोटे कोशी और त्रिशूली नदी प्रणालियों में मलबे व पत्थरों के तेज बहाव से मची तबाही इतनी भयंकर थी कि भूकंपीय मॉनिटरों पर भी कुछ पल के लिए हलचल दर्ज की गई। इस भीषण प्राकृतिक आपदा ने न केवल स्थानीय लोगों को, बल्कि सात समंदर पार अमेरिका में बसे भारतीय-अमेरिकी परिवारों को भी असहनीय इंतजार और गहरे संकट में धकेल दिया है।

इस हिमालयी तबाही ने नेपाल में कितना नुकसान पहुंचाया है : नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) की छठी स्टेटस रिपोर्ट के अनुसार, भोटे कोशी बाढ़ के बाद अब तक 389 शव बरामद किए जा चुके हैं और 977 लोग अब भी लापता हैं। लापता लोगों में नेपाली सेना, पुलिस व आव्रजन विभाग के 105 सुरक्षाकर्मियों के साथ 517 विदेशी नागरिक और विदेशों में रहने वाले 127 नेपाली शामिल हैं। इस अचानक आई भीषण बाढ़ की आपदा में 73 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, और परिवहन से लेकर बिजली व संचार के बुनियादी ढांचे को भारी क्षति पहुंची है।

अपनों की तलाश में भटक रहे परिवारों पर क्या गुजर रही है : अमेरिका में रह रहे कई भारतीय-अमेरिकी परिवार इस समय गहरे मानसिक आघात और अपनों की खोज में पल-पल तड़प रहे हैं। न्यूयॉर्क के शशिधरन श्रीधरन की पत्नी रेखा और 14 वर्षीय बेटी राशि कैलाश मानसरोवर यात्रा पूरी कर बुधवार को नेपाल लौटने वाली थीं, लेकिन तभी यह आपदा आ गई। श्रीधरन ने इसे अपने जीवन के सबसे बुरे 48 घंटे बताया है। इसी तरह वर्जीनिया के ऋत्विक रंगू अपने पिता और डॉ. राधिका शर्मा अपने बुजुर्ग माता-पिता (65 वर्षीय रमेश शर्मा और 64 वर्षीय नीलम शर्मा) की सुरक्षित वापसी के लिए गुहार लगा रही हैं। न्यूयॉर्क में नेपाल के महावाणिज्य दूत दधिराम भंडारी ने बताया कि उन्होंने 25 से अधिक लापता अमेरिकी नागरिकों (जिनमें से अधिकांश भारतीय मूल के हैं) की सूची नेपाल के विदेश मंत्रालय को भेजी है। राहत और बचाव के लिए जमीनी स्तर पर क्या कदम उठाए जा रहे हैं? नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के अनुसार स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है और पूरी सरकारी मशीनरी खोज और बचाव में जुटी है। खोज अभियान में 13,295 सुरक्षाकर्मियों और 15 हेलीकॉप्टरों को लगाया गया है। इनकी मदद से अब तक 1,976 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। नेपाल सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों के राहत कार्य के लिए तत्काल 2.5 करोड़ नेपाली रुपये (एनपीआर) भेजे हैं। इसके साथ ही, नेपाल के विदेश मंत्रालय ने प्रभावित विदेशियों की मदद और समन्वय के लिए एक आपातकालीन नियंत्रण कक्ष (ईसीआर) स्थापित किया है। लापता भारतीयों की तलाश और सामाजिक संगठनों की क्या भूमिका है? भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, अब तक 84 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचाया जा चुका है। इनमें त्रिशूली-द्व परियोजना में कार्यरत 63 भारतीय कर्मचारी और कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए तमिलनाडु के 21 तीर्थयात्री शामिल हैं। इस संकट में जयपुर फुट यूएसए जैसे संगठनों के नेता प्रेम भंडारी ने एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया है जो चौबीसों घंटे काम कर रहा है। वहीं, अध्यात्मिक गुरु स्वामी अवधेशानंद गिरि ने न्यूयॉर्क में राहत कार्यों की समीक्षा की और नेपाल को सहायता की पेशकश के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संवेदनशीलता की सराहना की। यह त्रासदी दिखाती है कि प्रकृति के रौद्र रूप के सामने मानवीय तंत्र कितने लाचार हो जाते हैं। फिलहाल, भारत, अमेरिका और नेपाल की सरकारें प्रभावितों तक पहुंचने की हरसंभव कोशिश कर रही हैं। मलबे के बीच अपनों को सुरक्षित ढूंढने की यह जंग जारी है, और उनके परिवार इस उम्मीद में फोन थामे बैठे हैं कि जल्द ही कोई अच्छी खबर मिलेगी।

नेपाल की बाढ़ के बीच चीन के हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स पर उठे सवाल, वायरल वीडियो ने खोली पोल : काठमांडू, बीजिंग, एजेंसी। नेपाल में हाल ही में आई भीषण बाढ़ के बीच चीन द्वारा बनाए जा रहे हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। बाढ़ से ठीक कुछ दिन पहले सामने आए एक ब्लॉगर के वीडियो ने इन परियोजनाओं की पोल खोलकर रख दी है। दरअसल, नेपाल में आई भयानक बाढ़ आने से कुछ दिन पहले, एक ब्लॉगर ने नेपाल की तरफ़ बन रहे चीन के बड़े हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स का वीडियो बनाया था। व्लॉगर ने नेपाल की ओर निर्माणाधीन विशाल चीनी जलविद्युत परियोजनाओं का दस्तावेजीकरण किया था।

यूएन में भारत की दो-टूक: यूएन 80 पहल में विकास सर्वोच्च प्राथमिकता हो

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत हरिष परवथानेनी ने बुधवार को यूएनडीपी प्रशासक के साथ संवाद किया। उन्होंने यूएनडीपी/ यूएनएफपीए/ यूएनओपीएस कार्यकारी बोर्ड के दूसरे सत्र को संबोधित किया। परवथानेनी ने कहा कि भारत यूएन80 पहल में विकास स्तंभ को सर्वोच्च प्राथमिकता मानता है। भारत संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की संरचनाओं, कार्यबल और संचालन मॉडल को वर्तमान वास्तविकताओं के साथ संरेखित करने का समर्थन करता है। उन्होंने मौजूदा प्रणालियों में अनावश्यक बदलावों के प्रति आगाह किया। परवथानेनी ने कहा, हमें ऐसी चीज को ठीक करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए जो खराब नहीं है। भारत ने राष्ट्रीय स्वामित्व और देश-नेतृत्व वाले विकास मार्गों के महत्व पर जोर दिया। भारत का तर्क है कि समाधान बाहर से थोपे नहीं जाने चाहिए।

राष्ट्रीय प्राथमिकताएं और बहुपक्षीय सहायता : भारत समग्र, समावेशी और टिकाऊ आर्थिक वृद्धि मॉडल का पक्षधर है। यह राष्ट्रीय स्वामित्व और देश-नेतृत्व वाले विकास मार्गों पर केंद्रित है। भारत मानता है कि समाधान बाहर से तय नहीं होने चाहिए। इसके बजाय, उन्हें सदस्य देशों द्वारा पेश किया जाना चाहिए और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, क्षमताओं व परिस्थितियों से प्रेरित होना चाहिए। परवथानेनी ने जोर दिया कि साझेदार देशों की विकास प्राथमिकताओं का सम्मान हो। बहुपक्षीय सहायता उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप

रहनी चाहिए।

यूएनडीपी के साथ भारत का सहयोग : भारतीय राजदूत ने यूएनडीपी के साथ भारत के सहयोग को रेखांकित किया। भारत इंडिया-संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष और भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) कोष के माध्यम से संगठन के साथ काम कर रहा है। इन कोषों से भारत ने डिजिटल बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य और जलवायु लचीलेपन के लिए 150 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक दिए हैं। सबसे कम विकसित देशों (एलडीसी) और छोटे द्वीप विकासशील देशों (एसआईडीएस) पर विशेष ध्यान है। ये पहल दक्षिण-दक्षिण सहयोग को दर्शाती हैं। यह विकासशील देशों को ज्ञान साझा करने, क्षमताएं जोड़ने, संसाधन जुटाने और बेहतर शर्तों पर पूंजी पाने में मदद करता है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र विकास प्रणाली के वित्तपोषण पर चिंता व्यक्त की, खासकर मुख्य वित्तपोषण में गिरावट पर। पारवथानेनी ने यूएनडीपी के लिए भारत की लगातार मुख्य योगदानकर्ता की भूमिका दोहराई।

रूसी बमबारी से दहली यूक्रेन की अर्थव्यवस्था

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष अब एक नए विनाशकारी आर्थिक मोर्चे पर पहुंच गया है। गुरुवार सुबह राजधानी कीव समेत नौ यूक्रेनी शहरों पर रूस ने मिसाइलों और ड्रोन की भीषण बारिश कर दी। साढ़े चार साल से जारी इस युद्ध में यह हमला न सिर्फ सैन्य ठिकानों पर, बल्कि यूक्रेन के निजी व्यवसायों और समग्र अर्थव्यवस्था को पंगु बनाने के इरादे से किया गया था। इस हमले में आम नागरिकों की जान जाने के साथ-साथ यूक्रेन की बिजली प्रणालियों, अनाज निर्यात बंदरगाहों और बड़े व्यापारिक गोदामों को भारी क्षति पहुंची है। रूस अब यूक्रेन के आर्थिक तंत्र को सीधी चोट पहुंचाने की नीति पर काम कर रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने इसे तेल रिफाइनरियों, लॉजिस्टिक्स हब और बंदरगाहों जैसे सैन्य-औद्योगिक ठिकानों पर कार्रवाई बताया। लेकिन असल चोट यूक्रेन के निजी व्यापार को लगी है। रूसी ड्रोन हमलों ने तीन बड़े वितरण केंद्रों को निशाना बनाकर खिलौनों की एक स्टोर चेन और एक चॉकलेट कंपनी के विशाल गोदामों को तबाह कर दिया, जबकि एक इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर का डिपो क्षतिग्रस्त हो गया। दरअसल, यूक्रेन के हालिया लंबी दूरी के ड्रोन हमलों से रूस को वित्तीय मुश्किलें हुई थीं, जिससे नाराज होकर रूस ने यूक्रेनी निजी उद्योगों पर यह हमला किया है। यूक्रेनी सेना ने भी रूस के आर्थिक हितों पर सीधे हवाई हमले तेज कर दिए हैं। यूक्रेन लगभग हर रात रूसी सीमा के भीतर सैकड़ों लंबी दूरी के ड्रोन दाग रहा है। हाल ही में रूस की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी वाइल्डबेरीज के गोदामों को तबाह करने के बाद यूक्रेनी ड्रोनों ने रूस की दूसरी सबसे बड़ी ऑनलाइन रिटेलर कंपनी ओजोन को अपना निशाना बनाया है। ओजोन के उफा स्थित लॉजिस्टिक्स केंद्र पर सीधा हमला किया गया, जबकि ऑरेनबर्ग सुविधा को सतर्कता चेतावनी के बाद खाली कराना पड़ा। उधर, रूसी हवाई सुरक्षा प्रणालियों ने विभिन्न क्षेत्रों में यूक्रेन के 267 ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया है। इस बमबारी ने यूक्रेन के नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। ओडेसा के बंदरगाह क्षेत्र में हुए सात घंटे लंबे हमले में एक विशाल अनाज गोदाम (ग्रेन एलीवेटर) क्षतिग्रस्त हो गया, जो यूक्रेन के अनाज निर्यात के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, भीषण ठंड से पहले बिजली ग्रिड को ठप करने की नीयत से दागे गए चार ग्लाइड बमों ने खेरसॉन के एक प्रमुख संयंत्र के जनरेटरों को नष्ट कर दिया, जिससे नाफ्तोगाज को प्लांट बंद करना पड़ा।

ट्रंप के डाक मतदान पर संकट: अमेरिकी कोर्ट ने आदेश पर फिर लगाई रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। एक संघीय न्यायाधीश ने गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक कार्यकारी आदेश को लागू करने की कोशिशों पर रोक लगा दी। इस आदेश में डाक मतदाता को सीमित किया गया था। इस कदम ने उस आदेश को दूसरी बार रोक दिया। यह सब तब हुआ जब मध्यावधि चुनावों के लिए पहला डाक बैलेट भेजे जाने में बस एक हफ्ता ही बचा था। अमेरिकी जिला अदालत की न्यायाधीश इंदिरा तलवानी ने सरकार को दो हफ्ते तक इस आदेश को लागू करने से रोक दिया।

सुप्रीम कोर्ट में क्यों अपील किया जा सकता है: इस मामले को जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए वापस भेजा जा सकता है, क्योंकि कुछ ही दिन पहले न्यायाधीशों ने एक प्रक्रियात्मक निर्णय सुनाते हुए तलवानी के उस पूर्व के फैसले को रद्द कर दिया था जिसने ट्रंप के आदेश को प्रभावी होने से रोक दिया था।

हाई कोर्ट ने पहले फैसला क्यों नही सुनाया : गुरुवार को आया यह फैसला डेमोक्रेट्स और मतदान अधिकार समूहों ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करने के लिए अपने मुकदमों को फिर से दायर किया। उच्च न्यायालय के रूढ़िवादी बहुमत ने ट्रंप के कार्यकारी आदेश की वैधता पर फैसला नहीं सुनाया, बल्कि यह कहा कि इसके खिलाफ कानूनी चुनौतियां हैं। जिनके कारण तलवानी ने शुरू में इसे रोक दिया था। इसे बहुत जल्दबाजी में दायर की गई थीं। नए औपचारिक नियम में क्या है? अब प्रशासन ने एक औपचारिक नियम जारी किया है, जो यह तय करेगा कि क्या अमेरिका डाक सेवा राज्यों के मेल बैलेट पहुंचाएगी या नहीं। इससे कानूनी लड़ाई फिर से शुरू हो गई है। उतार-चढ़ाव भरी इस कानूनी लड़ाई का मध्यावधि चुनावों पर बड़ा असर पड़ेगा। लगभग एक-तिहाई अमेरिकी डाक से वोट करते हैं। वहीं, चुनाव अधिकारियों का कहना है कि डाक सेवा के नए निर्देशों के मुताबिक अपने सिस्टम में बदलाव करने के लिए उनके पास पर्याप्त समय नहीं है। डाक सेवा का कहना है कि वह डाक मतपत्रों तब तक डिलीवर नहीं करेगी, जब तक राज्य उन मतदाताओं की सूची नहीं देते, जिन्हें ये बैलेट मिलने चाहिए और लिफाफों को एक खास तरीके से तैयार नहीं करते। तलवानी ने गुरुवार को लिखा, मुकदमा करने वाले राज्यों के पास मिडटर्म चुनाव से पहले नए मेल बैलेट डिजाइन करने, नए डिजाइनों को मंजूरी दिलाने, मेल बैलेट के उत्पादन का ऑर्डर देने। अपने चुनाव प्रबंधन सिस्टम को अपडेट करने, यूएसपीएस पोर्टल का इस्तेमाल करने के लिए चुनाव अधिकारियों को ट्रेनिंग देने और पोर्टल पर नागरिकों का डेटा अपलोड करने के लिए न तो समय है और न ही फंड। इस मामले की सुनवाई 3 सितंबर को होनी है। डेमोक्रेट और मतदान अधिकार समूह का क्या कहना है? डेमोक्रेट और मतदान अधिकार समूह इस मांग को असंवैधानिक बताते हैं। उनका कहना है कि संविधान राज्यों और कुछ मामलों में कांग्रेस को चुनाव नियम बनाने का अधिकार देता है, न कि राष्ट्रपति या डाक सेवा को। इसी तर्क के आधार पर अदालतों ने ट्रंप के पहले कार्यकारी आदेश को रोक दिया था, जो पिछले साल जारी किया गया था और जिसमें चुनाव प्रक्रियाओं को बदलने की मांग की गई थी, जैसे कि पंजीकरण के लिए नागरिकता के दस्तावेजी प्रमाण की आवश्यकता। राष्ट्रपति लंबे समय से डाक मतदान को निशाना बनाते रहे हैं, जिसके लिए वे झूठा आरोप लगाते हैं कि उन्हें 2020 के चुनाव में हार का सामना करना पड़ा, ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन द्वारा 2025 में प्रकाशित एक रिपोर्ट में पाया गया कि डाक द्वारा डाले गए प्रत्येक 10 मिलियन मतपत्रों में से केवल लगभग चार मामलों में ही धोखाधड़ी हुई थी।

भारत-कनाडा बातचीत: द्विपक्षीय निवेश संधि पर वार्ता को हरी झंडी, 2030 तक 4.65 लाख करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

टोरंटो, एजेंसी। भारत और कनाडा के बीच आर्थिक संबंधों में नया अध्याय जुड़ रहा है। नई दिल्ली में मार्च 2026 में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की बैठक की प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाते हुए दोनों देशों के वित्त मंत्रियों के बीच पहली आर्थिक और वित्तीय वार्ता संपन्न हुई। बैठक के बाद भारत ने कनाडा के साथ जल्द से जल्द द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर बातचीत शुरू करने की इच्छा जताई है। यह रणनीतिक कदम निवेश संबंधों को मजबूत करेगा और वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को 70 अरब कनाडाई डॉलर यानी करीब 4.65 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इस वार्ता का मुख्य ध्यान दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाना और निवेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाना रहा। दोनों पक्षों ने वर्ष 2030

तक आपसी व्यापार को बढ़ाकर 70 अरब कनाडाई डॉलर (करीब 4.65 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंचाने के संकल्प को दोहराया है। यह महत्वपूर्ण कदम मार्च 2026 में नई दिल्ली में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बैठक की प्रतिबद्धताओं पर आधारित है। दोनों पक्षों ने वर्ष 2026 के अंत तक कनाडा-भारत व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) वार्ता को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई है। वित्त मंत्रियों-निर्मला सीतारमण और फ्रांसिस-फिलिप शैम्पेन ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य और अपनी घरेलू नीतिगत प्राथमिकताओं पर चर्चा की। वार्ता में भारतीय बाजार में कनाडाई पेंशन फंडों की बड़ी मौजूदगी को रेखांकित किया गया और वित्तीय संस्थानों के बीच साझेदारी बढ़ाने पर बात हुई। दोनों पक्षों ने निवेशकों के लिए स्थिर और निश्चित घरेलू कर कानूनों की आवश्यकता को महत्वपूर्ण माना। संवाद में भुगतान प्रणालियों के आधुनिकीकरण, वित्तीय स्थिरता, फिनटेक इनोवेशन और वित्तीय अपराधों से निपटने पर सहयोग की रूपरेखा तैयार की गई। इसमें सबसे बड़ा कदम कनाडा में भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के विस्तार का स्वागत करना है। इसके लिए स्थानीय भुगतान सेवा प्रदाताओं के साथ साझेदारी की जाएगी, जिससे सीमा पार प्रेषण (रेमिटेंस) तेज और सस्ता होगा। इसका लाभ दोनों देशों के बीच पर्यटन, शिक्षा, व्यापार और छोटे व मध्यम स्तर के उद्यमों (एमएसएमई) को मिलेगा।

व्हाइट हाउस में निर्माण बना सुरक्षा में रोड़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हेलीकॉप्टर मरीन वन और एक यात्री विमान के बीच इस महीने हुई करीबी घटना में व्हाइट हाउस में चल रहे निर्माण कार्य की भूमिका सामने आई है। संघीय जांचकर्ताओं के मुताबिक, निर्माण के कारण मरीन वन के रेडियो संचार में दिक्कत आ गई थी। इसी वजह से एयर ट्रैफिक कंट्रोलर हेलीकॉप्टर के उड़ान भरने से तीन मिनट पहले दी जाने वाली जरूरी चेतावनी नहीं सुन पाए। इसके बाद उन्होंने एक यात्री विमान को उड़ान भरने की अनुमति दे दी। यह घटना 4 अगस्त को वॉशिंगटन के रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट के पास हुई थी। उस समय ट्रंप को लेकर मरीन वन उड़ान भरने वाला था और दूसरी तरफ एनवॉय एयर का एक यात्री विमान टेकऑफ के लिए तैयार था। दोनों विमान कुछ समय के लिए काफी करीब आ गए थे। मामले में हुऋस्ककी जांच अभी जारी है और मौजूदा रिपोर्ट को प्रारंभिक रिपोर्ट माना जा रहा है।

पहले से सामने आ चुकी थी रेडियो की समस्या : राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, घटना से करीब एक सप्ताह पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और मरीन वन के पायलटों के बीच बैठक हुई थी। इसमें पायलटों ने बताया था कि उड़ान से पहले दी जाने वाली सामान्य तीन मिनट की चेतावनी कंट्रोल टावर तक नहीं पहुंच रही थी। दोनों पक्षों ने तय किया था कि अगर रेडियो संपर्क में दोबारा समस्या आई तो किसी दूसरे व्यक्ति या स्थान के जरिए यह संदेश कंट्रोलरों तक पहुंचाया जाएगा। लेकिन 4 अगस्त को यह वैकल्पिक व्यवस्था भी काम नहीं कर सकी। मरीन वन के पायलटों ने तीन मिनट पहले उड़ान की सूचना देने की कोशिश की थी, लेकिन रीगन एयरपोर्ट के कंट्रोलरों ने वह संदेश नहीं सुना।

कंट्रोलर को नहीं मिली जानकारी, यात्री विमान को मिली उड़ान की अनुमति : मरीन वन के पायलट ने रेडियो पर बताया था कि हेलीकॉप्टर तीन मिनट में उड़ान भरेगा। लेकिन एयरपोर्ट के आधिकारिक कंट्रोल रिकॉर्डिंग में यह चेतावनी दर्ज नहीं हुई। इसके चलते कंट्रोलर को यह पता नहीं था कि राष्ट्रपति का हेलीकॉप्टर उड़ान भरने वाला है। इसलिए उन्होंने यात्री विमान को टेकऑफ की अनुमति दे दी। कुछ ही देर बाद कंट्रोलर को पता चला कि मरीन वन भी उड़ान भर रहा है। उन्होंने हेलीकॉप्टर के पायलट को यात्री विमान के बारे में चेतावनी दी। मरीन वन के पायलटों ने भी विमान को देख लिया और सुरक्षित दूरी बनने तक कुछ समय के लिए अपनी उड़ान रोक दी। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, दोनों विमान अपने सबसे नजदीकी बिंदु पर करीब 0.8 मील (1.3 किलोमीटर) की क्षैतिज दूरी और लगभग 700 फीट (215 मीटर) की ऊंचाई के अंतर पर थे। यात्री विमान के चालक दल को उड़ान भरने के तुरंत बाद अपने विमान के टकराव-रोधी सिस्टम से चेतावनी मिली थी। हालांकि, चालक दल ने हेलीकॉप्टर को अपनी आंखों से नहीं देखा।

ट्रंप खुद अपने सबसे अच्छे प्रवक्ता: कैरोलिन लेविट की उत्तराधिकारी को सलाह, व्हाइट हाउस प्रवक्ता पद से विदा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की निवर्तमान व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने अपने आखिरी दिन अपने काम की व्यस्तता का जिक्र करते हुए कहा कि टेलीविजन पर दिखाई देने वाली प्रेस ब्रीफिंग उनके काम का केवल 10 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि 90 प्रतिशत काम पत्रकारों के फोन कॉल का जवाब देने में जाता है। लेविट ने कहा, लोग यह नहीं समझते कि इस नौकरी में ब्रीफिंग और टीवी पर मैंने जो किया, वह 10 प्रतिशत है। 90 प्रतिशत काम सुबह पांच बजे और रात 11 बजे तक आपके सभी फोन कॉल लेने का है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस हिस्से की कमी महसूस नहीं होगी, लेकिन पत्रकारों के साथ रोजाना काम करने की याद आएगी।

लेविट ने अपने उत्तराधिकारी को क्या दी सलाह : इस दौरान कैरोलिन लेविट ने अपने उत्तराधिकारी को सलाह देते हुए कहा कि इस पद पर सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद अपने सबसे अच्छे प्रवक्ता हैं। लेविट ने आगे कहा कि व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चिउंग और वह अक्सर मजाक करते थे कि ट्रंप ही व्हाइट हाउस के असल कम्युनिकेशन डायरेक्टर और प्रेस सेक्रेटरी हैं। कैरोलिन लेविट ने 27 अगस्त को व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के रूप में अपना आखिरी दिन पूरा किया। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में इस पद पर रहने वाली सबसे कम उम्र की प्रेस सचिव थीं। उन्होंने परिवार और अपने छोटे बच्चों के साथ अधिक समय बिताने के लिए पद छोड़ने का फैसला किया है। हालांकि, वह ट्रंप के बाहरी सलाहकार के तौर पर काम करती रहेंगी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने की जमकर तारीफ : कैरोलिन लेविट इस पद पर रहने वाली 36वीं प्रेस सचिव थीं। लेविट ने अपने कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी अमेरिका फर्स्ट नीति का मजबूती से

बचाव किया। व्हाइट हाउस ने उनके कार्यकाल के कई चर्चित पलों को याद करते हुए उनकी पत्रकारों के साथ तीखी बहस और सरकार की नीतियों के बचाव का जिक्र किया। वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने लेविट को व्हाइट हाउस प्रेस सचिवों के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ में से एक बताया।

पत्रकारों से तीखे सवाल-जवाब : लेविट कई बार पत्रकारों के साथ तीखे सवाल-जवाब को लेकर चर्चा में रहीं। एक मौके पर उन्होंने एक पत्रकार से कहा, आप लेफ्ट-विंग हैक हैं। आप पत्रकार नहीं हैं। वहीं, एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, क्या बेवकूफी भरा सवाल है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन की आव्रजन नीति का भी बचाव किया और अवैध तरीके से अमेरिकी कानून तोड़ने वाले प्रवासियों को अपराधी बताया। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी को लेकर उन्होंने डेमोक्रेट्स और मुख्यधारा के मीडिया पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिकी सैनिकों के मुद्दे पर उन्हें भाषण देने की जरूरत नहीं है।

फ्रांस और स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी पर भी दिया था बयान : विदेश नीति के मुद्दों पर भी लेविट के बयान चर्चा में रहे। फ्रांस के एक राजनेता की स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से जुड़ी टिप्पणी पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा था कि आज फ्रांस के लोग जर्मन भाषा नहीं बोल रहे हैं तो इसकी वजह अमेरिका है। उन्होंने डेमोक्रेट्स और मुख्यधारा के मीडिया पर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ गलत सूचना फैलाने का आरोप भी लगाया। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन वाले अमेरिकी शहरों में अपराध को लेकर भी उन्होंने बयान दिए। लेविट ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के स्वास्थ्य और उनकी काम करने की क्षमता को लेकर भी पूर्व प्रशासन और मीडिया पर सवाल उठाए थे। उन्होंने इसे अमेरिका के इतिहास के सबसे बड़े कवरअप और राजनीतिक घोटालों में से एक बताया था।

ट्रंप पर हमले के बाद टाली थी मैटरनिटी लीव : लेविट ने ट्रंप पर हुए हत्या के प्रयास के बाद अपनी मैटरनिटी लीव भी कुछ समय के लिए टाल दी थी। उन्होंने कहा था कि उन्हें लगा था कि वह आखिरी बार सवालों का जवाब दे रही हैं, लेकिन राष्ट्रपति पर हमले के बाद उन्हें लगा कि प्रेस के सवालों का जवाब देने के लिए व्हाइट हाउस में रहना जरूरी है। अपने कार्यकाल में लेविट ने नए मीडिया संस्थानों और पत्रकारों को भी व्हाइट हाउस ब्रीफिंग रूम में जगह दी। उन्होंने कहा था कि ट्रंप का संदेश हर जगह पहुंचाना उनकी टीम के लिए जरूरी है। इस बीच ट्रंप ने नए प्रेस सचिव को लेकर एक संभावित नाम की ओर इशारा किया है। हाल ही में फॉक्स न्यूज की संवाददाता एलेक्सिस मैकएडम्स ने ट्रंप से पूछा कि लेविट की जगह कौन ले सकता है। ट्रंप ने मजाकिया अंदाज में मैकएडम्स से ही पूछा, आप? इसके बाद उन्होंने कहा, आप कैसी रहेंगी? ट्रंप ने मैकएडम्स के काम की भी तारीफ की और कहा कि उन्हें वह हमेशा पसंद रही हैं।

विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल है इंडिया गेट

इंडिया गेट जो विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल एक द्वार है और यह दिल्ली में स्थित है.हर साल लाखों सैलानी इस द्वार को देखने आते हैं.हर साल 26 जनवरी के दिन इंडिया गेट के सामने गणतंत्र दिवस की परेड कराई जाती है.

जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इंडिया गेट से संबंधित है.आज हम आपको इंडिया गेट से जुड़े वे सभी रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद ही कहीं पढ़े होंगेतो चलिए जानते हैं

- इंडिया गेट की ऊंचाई 43 मीटर है विश्व का सबसे बड़ा युद्ध स्मारक है.
- क्या आप जानते हैं इंडिया गेट को प्राचीन समय में किंग्सवे के नाम से जाना जाता था और इसका डिजाइन सर एडवर्ड लुटियन्स ने बनाया था.
- इंडिया गेट के सामने स्थापित छतरी में जार्ज पंचम की एक मूर्ति स्तापित थी जिसे बाद में यहाँ से हटाकर कोरोनेशन पार्क में स्थापित कर दिया गया था.
- आपको जानकर गर्व होगा इंडिया गेट का निर्माण प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुऐ 80,000 से अधिक भारतीय सैनिकों की याद में किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट पर 13300 अधिकारियों और सौनिकों के नाम अंकित हैं.
- इंडिया गेट के नीचे चारों कोनों पर अमर जवान ज्योति हमेशा जलती रहती है जिसे वर्ष 1971 में भारत पाक युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों की याद में स्तापित किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट की नींव 1921 में ड्यूक ऑफ कनॉट ने रखी थी और इस स्मारक को बनने में पूरे 10 वर्षों का समय लगा था.
- इंडिया गेट को देखने के लिए भारतीय टूरिस्टो के साथ साथ विदेशी सैलानी भी इस द्वार पर आते है.
- शाम के समय इंडिया गेट के चारों ओर लगी रोशनियों से इसे जगमगा दिया जाता है.जिससे एक भव्य दृश्य बनता है जो हमारी आँखों को एक सुखद अहसास देता है.
- आप इस स्मारक के पास से राष्ट्पति भवन को भी निहार सकते है.

अब मछली नहीं उड़ती

बहुत पुरानी बात है। उन दिनों मछलियां तैरने के साथ उड़ भी सकती थीं। मछली का मन करता, तो वह दूर आसमान में जा उड़ती। तैरने का मन करता, तो नदी के अंदर चली जाती।
एक दिन बगुले का जोड़ा कहीं जा रहा था। बगुला मछली से बोला, हमारे अंडों का ध्यान रखना। हम किसी से मिलकर आते हैं।
दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने कहां चली गई? उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। हमारे अंडों का ध्यान रखना। उन सबके लौटने तक मछली ने अंडों का ध्यान रखा।
शाम हुई, तो चुहिया ने मछली से कहा, मैं घूमने जा रही हूं। मेरे बच्चे अकेले हैं। मछली पहरा देने लगी। चुहिया रात को लौटी। मछली जाने को हुई, तो गिलहरी ने आवाज लगाई, अमरूद पक गए होंगे, तो मुझे बताना।
मछली उड़ी और अमरूद के पेड़ के फल देख आई। फिर गिलहरी को बताया, अमरूद पक चुके हैं।
मछली जाने लगी, तो एक सांप ने पूछा, कहां जा रही हो?
मछली बोली, अब थक गई हूं। पानी में तैरने जा रही हूं।
सांप ने हंसते हुए कहा, आज की थकान तो दूर हो जाएगी। मगर कल क्या होगा?
मछली ने चौंकते हुए पूछा, मतलब?
सांप ने जवाब दिया, मतलब यह है कि हर कोई तुम पर रोब जमाता है। मोर, बगुले, चुहिया, गिलहरी तक तुम से अपना काम करा लेते हैं। क्यों?
मछली सोच में पड़ गई।
सुबह हुई। बगुले का जोड़ा मछली के पास आया और वही बात कहकर उड़ चला। मछली को सांप की बात याद थी। उसने मुंह बनाया, हुंह! मैं नदी में तैरने जा रही हूं। शाम तक बाहर नहीं आऊंगी।
बस फिर क्या था। सांप को इसी पल का इंतजार था। बगुलों के वापस आने से पहले वह उनके अंडे खा चुका था।
दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने फिर कहां चली गई। मैं उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। अंडों का ध्यान रखना। मछली ने मोर की बात को अनसुना कर दिया। वह घने पेड़ के पीछे आराम करने लगी। सांप ने मोरनी के अंडों को भी चट कर डाला।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली को बुलाया। रोज की तरह वह टहलने चली गई। मछली उड़ी और आसमान में गायब हो गई। अब सांप चुहिया के बच्चों को निगल गया।
रात हुई, तो गिलहरी ने मछली से कहा, अमरूद पक गए हैं। मैं भी कुछ अमरूद खा आती हूं। मेरे बच्चों का ध्यान रखना। गिलहरी के जाते ही मछली ने नदी में गोता लगाया। वह तैरती हुई नदी के दूसरे तट पर जा पहुंची। सांप ने गिलहरी के बच्चों को भी अपना निवाला बना लिया।
सुबह हुई, तो सभी ने मछली को घेर लिया। बगुला आगबबूला होकर चिल्लाया, मेरे अंडे कहां हैं?
चुहिया और गिलहरी ने अपने बच्चों के बारे में पूछा। मछली ने जवाब दिया, मुझे क्या पता?
बगुले को गुस्सा आ गया। उसने मछली को दबोच लिया। मछली ने डरते-डरते सारा किस्सा सुनाया।
किस्सा सुनकर चुहिया बोली, एक सांप की बातों में आकर तुमने हमारा भरोसा तोड़ा है। मैं तुम्हें उड़ने लायक नहीं छोडूंगी। चुहिया ने मछली के पंख कुतर डाले। गिलहरी ने कहा, आज से तुम उड़ नहीं पाओगी। मछली नदी में जा छिपी। बगुला बोला, कहां जाती हो। मैं तुम्हें पानी में भी नहीं छोडूंगा। तभी से बगुला मछली की ताक में रहता है। वहीं मछली अब उड़ नहीं पाती है।

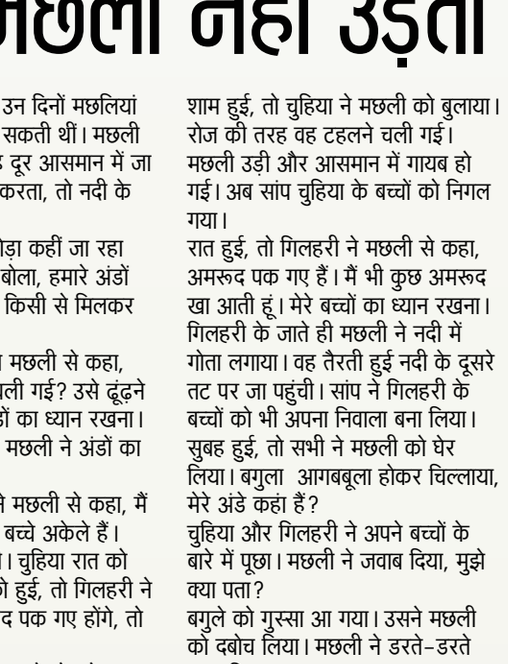

बादलों का सीना चीरकर उड़ने वाले पक्षी बाज के बारे में आप भली-भांति जानते होंगे.बाज एक ऐसा पक्षी है जो बादलों से भी ऊपर उड़ सकता है और इसके साथ ही यह पक्षी बहुत तेज रफ्तार से उड़ता है. उदाहरण के तौर पर बाज 380 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक उड़ सकता है.

आसमान का राजा बाज

बाज आसमान में लगभग 12000 फीट ऊंचा उड़ सकता है यह बारिश के दिनों में हमेशा बादलों के ऊपर उड़ता है शायद इसीलिए इसे आसमान का राजा भी कहा जाता है. बाज हवा में एक जगह मंडरा सकते हैं जैसे एक पतंग हवा में एक जगह उड़ती रहती है.एक वैज्ञानिक शोध के अनुसार बाज की नजर बहुत तेज होती है यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर दूर से ही देख सकता है साथ ही इनकी आंखों में इन्फ्रारेड सिस्टम विकास हो गया है जिसकी वजह से यह है शिकार के शरीर से निकलने वाली गर्मी को पहचान कर उसका शिकार कर सकता है.बाज की नजर का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बाज को आसमान से ही पानी में तैरती हुई मछली दिखाई दे जाती है और बाज पानी में गोता लगाकर मछली को पकड़ सकता है.
बाज की चोंच एक अलग तरह से बनी होती है इनकी चोच 90 डिग्री के कोण पर मुड़ी हुई होती है चोच के दोनों तरफ एक छोटा दांत बाहर निकला हुआ होता है.यह अपने शिकार को देखते हैं लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार की तरफ बढ़ते है.और जैसे ही कोई मेंढक या चूहा पकड़ते है तो उसकी गर्दन पर ऐसी जगह पर वार करते है जिससे उसका नर्वस सिस्टम काम करना बंद कर देता है. जिसे शिकार मुकाबला नहीं कर पाता है और मारा जाता है.बाज अपने से दो गुना बड़े शिकार को पकड़ सकता है, कभी-कभी यह अपने से इतने बड़े शिकार को पकड़ लेते हैं कि एक बार में उसे खा भी नहीं पाते है.क्थद्दद्यद्ध शिकार करके अपने भोजन को ऊंची पहाड़ियों में बने अपने घोसलों में छोड़ देते है. और बाद में जब इन्हें भूख लगती है तब यह उस शिकार को आ कर खा लेते है.बाज की आंखें अपने शिकार को बिना पलक झपकाए अधिक समय तक देख सकती हैं इसी कारण ये अपने शिकार से कम ही चुकते है. बाज एक मांसाहारी पक्षी होता है इसका भोजन सांप, मछली, मेंढक, खरगोश, चूहे और छोटे पक्षी होते है. यह पक्षी लगभग पूरी दुनिया में ही पाया जाता है यह ज्यादातर ऊंची पहाड़ियों और चट्टानों पर अपना घोंसला बनाते है लेकिन ज्यादातर बाज पक्षी दूसरे पक्षियों के घोंसलों पर कब्जा करके यह रहते है.विश्व भर में इसकी 60 से भी अधिक प्रजातियां पाई जाती है.एक वयस्क बाज का वजन लगभग 10 किलो तक हो सकता है.इसके फल का आकार में बहुत बड़े और पतले होते हैं जिसके कारण यह ज्यादा देर तक हवा में उड़ पाते है.मादा बाज पक्षी साल में एक बार 3 से 4 अंडे देती है और जब तक उनमें से उसके बच्चे नहीं निकल आते है वह उनके ऊपर बैठी रहती है. बाज के बच्चे अंडे में से औसतन 35 से 40 दिनों के अंदर बाहर निकल आते है.एक बाज की औसतन आयु 60 से 70 वर्ष होती है.उनके पंख और सोच लगातार बढ़ती रहती है इसलिए जैसे-जैसे यह व्यस्त होते है. इन्हें अपनी चोच से भोजन खाने में दिक्कत होने लगती है इसीलिए यह चट्टानों पर जाकर अक्सर अपनी चोच घिसते रहते है.इनके पंजों की बात करें तो पैर के पंजे बहुत ही ताकतवर और नुकीले होते हैं जिससे यह किसी भी सांप या मछली को अगर एक बार पकड़ ले तो उसके बाद छोड़ते नहीं है.यह पक्षी ज्यादातर अकेले रहना ही पसंद करता है.

- बाज पक्षियों में सबसे बड़ा पक्षी होता है.
- बाज एक मांसाहारी पक्षी है.
- यह मुख्य रूप से भोजन में सांप, मछली, चूहा, मेंढक इत्यादि खाते है.
- बाज आसमान में बिना पंखों को हिलाएं हवा में अधिक समय तक उड़ सकता है.
- यह लगभग दुनिया के हर देश में पाया जाता है और दुनिया भर में इसकी 60 से अधिक प्रजातियां अभी तक खोजी जा चुकी है.
- यह पक्षी अकेले में जंगलों में पहाड़ियों के ऊपर रहना पसंद करता है.
- क्या आप जानते हैं जब भी पक्षियों के राजा की बात आती है तो उनमें बाज का नाम सबसे पहले लिया जाता है.क्योंकि यही एक मात्र ऐसा पक्षी है जो तेज रफ्तार के साथ ही शारीरिक रूप से भी सर्वाधिक शक्तिशाली माना जाता है.
- बाज मांसाहारी जीवो की श्रेणी में आता है और इसका जीवनकाल लगभग 40 वर्ष से लेकर 70 वर्ष का होता है.
- बाज तेजी से उड़ने और सतह पर चलने की लिए भी जाना जाता है. यह पक्षी सतह पर भी गजब की तेजी से दौड़ता है.
- बाज के शरीर की बनावट जैसे छाती की मजबूत मांसपेशियाँ , लम्बे पंख और स्ट्रीमलाइन आकार के फाल्कन सही मायने में इस पक्षी को गजब की रफ्तार देने के लिए ही बने है.
- बाज के शरीर की लंबाई 13 से 23 इंच तक हो सकती है तथा बाज क पंखो लंबाई 29 से 34 इंच तक होती है.इसके साथ ही मादा बाज का आकार नर बाज से बड़ा होता है.
- बाज के पसंदीदा शिकारो में चिड़िया, कबूतर, चूहा ՙ बत्तख इत्यादि का शिकार ज्यादातर करता है.
- बाज आकाश में 12000 फीट की उंचाई तक उड़ान भर सकता है
- क्या आप जानते है बाज की अब तक लगभग 2000 प्रजाति खोजी जा चुकी है.
- अगर आप बाज को नहीं पहचानते तो इसे जानने के लिए नीली स्लेटी और उसी रंग के लम्बे नुकील पंखो और पेट पर सफेद एवं काले धब्बो से पहचाना जा सकता है.
- आपको जानकर हैरानी होगी द्वितीय विश्व युद्ध में कबूतरों द्वारा भेजे संदेशो को रोकने के लिए घुमन्तु बाज का इस्तेमाल किया जाता था.
- जंगलो में रहने वाले आदिवासी ज्यादातर छोटे -छोटे पक्षियों के शिकार के लिए बाज का सहारा लेते हैं.
- बाज एक ऐसा पक्षी है जो अंटार्टिका के इलावा समूचे विश्व में पाया जाता है.
- बाज ही एकमात्र ऐसा शिकारी पक्षी है जो शिकार के लिए इंसान के 2 साल के बच्चे को भी उठा कर ले जा सकता है.
- मादा बाज 1 से लेकर 3 अंडे देती है और लगभग बाज 34 से 36 दिनों तक अण्डों पर बैठती है जिसके बाद अण्डों में से बच्चे बाहर निकल आते हैं
- क्या आप जानते है एक स्वस्थ बाज 6 किलोग्राम वजन को उठा कर हवा में उड़ सकता है.
- जिस तरह बाज तेजी का प्रतिक माना जाता है ठीक इसी प्रकार बाज के बच्चे का भी बहुत तेजी से विकास होता हैं यह 6 सप्ताह में 3-4 किलो हो जाता हैं.
- बाज की नजर भी बहुत तेज होती है उदाहरण के तोर पर यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर की दूरी पर भी देख लेता है.

प्रति सेकंड 130 फ्रेम देख सकता है पेरग्रिन बाज

पशु-पक्षियों की दुनिया में पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तेज होती है। एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया के सबसे सामान्य परभक्षी पक्षियों में शुमार यह बाज एक सेकंड में लगभग 130 फ्रेम देख सकता है। स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी सहित कई शोधकर्ताओं का कहना है कि इसकी तुलना में इंसान प्रति सेकंड अधिकतम 50-60 फ्रेम ही देख पाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई शख्स मूवी थिएटर में बतौर फिल्म प्रति सेकंड 25 छवियों की गति ही देख सकता है। वह भी उसे छवियों की शृंखला के रूप में नहीं देख सकता है। जर्नल ऑफ एक्सपेरिममेंटल बायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तीव्र होती है। तेज प्रकाश वाले वातावरण में उसकी दृष्टि 129 एचजेड (प्रति सेकेंड पलक झपकाना) होती है। इन्हीं परिस्थितियों में सेकर बाज 102 एचजेड और हैरिस की देखने की क्षमता 77 एचजेड होती है। ऐसा पहली बार है, जब वैज्ञानिकों ने परभक्षी पक्षियों की दृष्टि की गति का अध्ययन किया है। इसके लिए उन्होंने यह गणना की कि वे कितने दृश्यों का अनुभव कर सकते हैं। अध्ययन के सह लेखकों में एक लुंड यूनिवर्सिटी के एल्मट केल्बर ने कहा, 'मेरे सहयोगी साइमन पोटियर और मैंने सेकर और हैरिस प्रजाति के बाजों का अध्ययन किया। इस दौरान यह भी गणना की कि ये कितनी तेज रोशनी में झपकी ले सकते हैं।' शोधकर्ताओं ने कहा कि परभक्षी पक्षियों की नजर शिकार की जरूरत के हिसाब से हरकत करती है। आमतौर पर बाज तेज गति से उड़ने वाली पक्षियों का शिकार करते हैं और अपनी तीव्र दृष्टि से उन पक्षियों के सचेत होने से पहले ही उन्हें पकड़ लेते हैं।

350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार करता है

शोधकर्ताओं ने बताया कि हैरिस नामक बाज के पास अत्यधिक ऊंचाइयों पर शिकार करने के लिए बहुत तेज दृष्टि नहीं होती है, क्योंकि वह जमीन पर छोटे और धीमी गति वाले जानवरों का शिकार करते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, पेरग्रिन बाज के पास अलग-अलग दृश्यों में खुद की दृष्टि को समायोजित करने की क्षमता होती है, क्योंकि यह एक फॉर्मूला वन रेसिंग कार की गति यानी 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अपने शिकार पर हमला बोलती है।

पिंजरे में रखे गए पक्षियों की स्थिति समझने में मिलेगी मदद

यह अध्ययन छोटे कीटों को खाने वाली पक्षियों की देखने की क्षमता का पता लगाने के लिए किया गया है। शोधकर्ताओं ने का कहना है कि बाजों के शिकार की कला यह भी बताती है कि परभक्षी पक्षियों की दृष्टि बहुत तीव्र होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस अध्ययन से मिली नई जानकारी से कैद में रखे गए पक्षियों की स्थिति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

अजीब है कस्तूरी बैल

बैल के बारे में आप लोग तो कुछ न कुछ जानते ही होंगे। लेकिन आप लोगों को आज एक ऐसे बैल के बारे में बताते हैं, जिसके बारे में शायद ही आप लोग जानते हों। यह बैल है कस्तूरी बैल। है न रोचक बात! आप लोग मस्क डीयर यानी कि कस्तूरी हिरण के बारे में जानते होंगे, लेकिन कस्तूरी बैल के बारे में नहीं। यह बैल भले ही अपने यहां नहीं पाया जाता, लेकिन यह कुछ एक देशों में पाया जाता है।

कस्तूरी बैल बिल्कुल याक जैसा दिखता है। यह वृक्षहीन टुन्ड्रा प्रदेश और आर्कटिक प्रदेशों का निवासी है। पूर्वी अलास्का से लेकर उत्तरी कनाडा तक और ग्रीनलैंड में पाया जाता है।इसकी दो प्रजातियां होती हैं। एक ग्रीनलैंड मस्क ऑक्स या व्हाइट फेस्ड मस्क ऑक्स। दूसरी प्रजाति केनेडियन हाई-आर्कटिक मस्क ऑक्स होती है।

दिखता है याक जैसा

यदि आप इसे दूर से देखो तो आप को भ्रम हो जाएगा। आपको लगेगा कि यह याक है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इसका शरीर काफी गठीला होता है। उस पर फर की दोहरी परत होती है। बाहरी परत लम्बे-लम्बे फर वाली होती है। कभी-कभी इसके बाल इतने लम्बे होते हैं कि जमीन को भी छूने लगते हैं। इनके मोटे फरों का रंग गहरा भूरा होता है। इनके फर ही बर्फीले आर्कटिक की शीत लहरों में ठंड से बचाव करते हैं। इनके बाल भेड़ के बालों की तरह ऊन बनाने के काम आते हैं। इनके फर गर्मी के मौसम में झड़ने लगते हैं।

विशालकाय शरीर

इसके कंधों पर कूबड़ होता है। इसके सींग लम्बे,चौड़े और मुड़े हुए होते हैं। इसके खुर बैलों से काफी बड़े होते हैं। इसके विशालकाय शरीर का वजन 200 किलोग्राम से 400 किलोग्राम तक हो सकता है, जबकि शरीर की लम्बाई छह फुट से साढ़े सात फुट के मध्य होती है और ऊंचाई पांच फुट तक होती है। इसके गठीले शरीर के कारण ही शिकारी जानवर जल्दी हमला नहीं कर पाते। ये अक्सर झुंड में ही रहते हैं, इसलिए शिकारी जानवरों पोलर बीयर, आर्कटिक फॉक्स और आर्कटिक भेड़ियों से अपनी रक्षा कर लेते हैं।

नहीं खाता मांस

आप लोग सोच रहे होंगे कि बर्फ में रहने की वजह से इसका भी भोजन मांस होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। यह बिल्कुल भी मांसाहारी नहीं है। घास, आर्कटिक फूल, मरकट और बहुत प्रकार की वनस्पति खाता है। वैसे इसे 'विलो प्लांट' खाना ज्यादा अच्छा लगता है। यह अपना भोजन चबाता नहीं है, बल्कि उसे निगल जाता है।

15 हजार रुपये मिले थे, मैंने पूरी रकम खर्च कर दी

टी20 वर्ल्ड कप विजेता भारतीय कप्तान ने सुनाया संघर्ष भरा किस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। सूर्यकुमार यादव इस समय अपने करियर के एक अलग दौर से गुजर रहे हैं। 2026 में भारत को टी20 वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान को अब भारतीय टी20 टीम से बाहर कर दिया गया है। हालांकि, सूर्यकुमार ने वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के साथ बातचीत में उन्होंने अपनी पहली कमाई और क्रिकेट के शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद किया। सूर्यकुमार ने बताया कि मुंबई की अंडर-15 टीम के साथ अपने पहले दौरे के दौरान उन्हें पूरे सीजन के लिए सिर्फ 15,000 रुपये मिले थे। उस समय उनके पास किसी कंपनी का बैट स्पॉन्सर भी नहीं था, इसलिए उन्होंने अपनी पूरी कमाई क्रिकेट का सामान खरीदने में लगा दी थी।

सूर्यकुमार यादव ने अपनी पहली कमाई को याद करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि जब मैंने पहली बार मुंबई के लिए अंडर-15 क्रिकेट खेला था, तब मुझे 15,000 रुपये मिले थे। यह पूरे दौरे के लिए थे। मैंने शायद पूरी रकम खर्च कर दी थी। उस समय मेरे पास बैट का कोई स्पॉन्सर नहीं था, इसलिए मैं अपनी पूरी कमाई क्रिकेट का सामान खरीदने में खर्च करता था।' उनका यह बयान बताता है कि भारतीय क्रिकेट के मौजूदा स्टार ने अपने शुरुआती दिनों में किस तरह सीमित संसाधनों के बीच क्रिकेट का सफर तय किया।

वर्ल्ड कप जिताने के बाद टीम से बाहर

सूर्यकुमार ने 2026 में भारत की कप्तानी करते हुए टीम को टी20 वर्ल्ड कप का खिताब दिलाया था। यह भारत का तीसरा टी20 वर्ल्ड कप खिताब था और लगातार दूसरा खिताब भी था। इससे पहले भारत ने 2007 में एमएस धोनी और 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में यह ट्रॉफी जीती थी। हालांकि, वर्ल्ड कप जीतने के कुछ ही महीनों बाद सूर्यकुमार को भारतीय टी20 टीम से बाहर कर दिया गया। चयनकर्ताओं ने अगले दो साल के चक्र को ध्यान में रखते हुए टीम में बदलाव का फैसला किया और श्रेयस अय्यर को कप्तानी की जिम्मेदारी दी।

खराब फॉर्म बनी बड़ी वजह

सूर्यकुमार की बल्लेबाजी में लगातार निरंतरता की कमी भी चयनकर्ताओं के फैसले की एक वजह मानी गई। 2026 के आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। इसके बावजूद सूर्यकुमार का कहना है कि वह भारतीय टीम में वापसी के लिए अपनी तरफ से पूरी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने वापसी के सवाल पर कहा, 'देखिए, मैं पूरी मेहनत कर रहा हूं और वह सब कुछ कर रहा हूं जो मैं कर सकता हूं। अगर चीजें अच्छी होती हैं, तो सब कुछ अपने आप सही जगह पर आ जाएगा।'

ईशान भैया को नहीं पता था कि मैं विकेट टेकर हूं

नईदिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी में ईशान किशन की कप्तानी वाली ईस्ट जोन ने नॉर्थ ईस्ट जोन को पारी और 210 रनों से हराकर सेमीफाइनल में एंट्री मार ली है. इस बड़ी जीत में टीम के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी का बल्ला भले ही खामोश रहा, लेकिन उन्होंने अपनी फिरकी से 2 अहम विकेट झटककर महफिल लूट ली. मैच के बाद इस युवा स्टार ने अपनी घातक गेंदबाजी के राज से पर्दा उठाया और बताया कि आखिर किस मास्टर प्लान के तहत उन्होंने विरोधी बल्लेबाजों को अपने जाल में फंसाया. वैभव सूर्यवंशी को फैन्स विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जानते हैं. ऐसे में इस युवा खिलाड़ी ने गेंद से कमाल का प्रदर्शन कर सभी को हैरान कर दिया.

दरअसल, नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ खेले गए मैच में जब ईस्ट जोन के गेंदबाजों को विकेट निकालने में संघर्ष करना पड़ रहा था, तब कप्तान ईशान किशन ने वैभव को गेंद थमाई. ईशान को लग रहा था कि यह एक रिस्क है, लेकिन बाएं हाथ के स्पिनर वैभव ने सिर्फ 3 ओवर में 11 रन देकर 2 अहम विकेट चटका दिए और अपने कप्तान को पूरी तरह से गलत साबित कर दिया. बीसीसीआई डोमेस्टिक द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में अपनी इस शानदार गेंदबाजी पर बात करते हुए वैभव ने मजेदार खुलासा किया. उन्होंने कहा कि अगर आप किसी भी बल्लेबाज से पूछें तो उसे गेंदबाजी करने में मजा आता है. विरोधी टीम के विकेट नहीं गिर रहे थे, इसलिए मुझे 2-3 ओवर फेंकने को कहा गया.

51 साल की उम्र में आइल ऑफ मैन की क्रिकेटर ने इतिहास रच दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। जोआन हिक्स को क्रिकेट करियर शुरू करने में लगभग आधी सदी लग गई। उन्होंने 47 साल की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू किया। चार साल बाद 51 साल की उम्र में आइल ऑफ मैन की इस क्रिकेटर ने इतिहास रच दिया। वह 90 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट में 5 विकेट लेने वाली सबसे बुजुर्ग खिलाड़ी बन गईं। ग्रीस की महिला टीम के खिलाफ दाएं हाथ की ऑफ-स्पिनर हिक्स ने तीसरी बार टी20 इंटरनेशनल में फाइव-विकेट हॉल लिया। उन्होंने 10 रन देकर पांच विकेट लेकर करियर का बेस्ट प्रदर्शन किया। हिक्स घातक गेंदबाजी के कारण ग्रीस 15 ओवर में 52 रन सिमट गई। आइल ऑफ मैन ने पावरप्ले में नौ विकेट रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। 51 साल और 173 दिन की उम्र में, हिक्स इंटरनेशनल क्रिकेट (पुरुष या महिला) में 50 साल की उम्र के बाद पांच विकेट लेने वाले पहले बॉलर बन गईं। हिक्स ने ऑस्ट्रेलिया के बर्ट आयरनमोंगर का 96 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बन गईं। लेफ्ट आर्म स्पिनर आयरनमोंगर ने 1932 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 49 साल और 314 दिन की उम्र में पांच विकेट लिए थे। इत्तेफाक से, उन्होंने दोनों पारियों में पांच विकेट लिए थे। पहली पारी में 6 रन देकर पांच विकेट और दूसरी पारी में 18 रन देकर छह विकेट झटके। प्रोटियाज टीम एक पारी से हारी थी। वह ऑस्ट्रेलिया के 153 रन के जवाब में 36 और 45 रन पर आउट हो गई थी।

मियांदाद बोले-इमरान खान भ्रष्ट नहीं, उन्हें रिहा किया जाए

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के दिग्गज खिलाड़ी जावेद मियांदाद अपने साथी क्रिकेटर और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बारे में बात करते हुए रो पड़े, जो जेल में बंद हैं। 1975 और 1996 के बीच छह वर्ल्ड कप खेलने वाले मियांदाद ने कहा कि इमरान खान भ्रष्ट नहीं हैं। उन्हें ईमानदार बताते हुए उनकी रिहाई की गुहार लगाई। 2018 और 2022 के बीच देश के प्रधानमंत्री रहे इमरान खान को भ्रष्टाचार के आरोपों में दोषी पाए जाने के बाद 2023 में जेल भेजा गया था।मियांदाद ने इमरान खान को लेकर नैरेटिव यूट्यूब चैनल पर कहा, 'वह एक ईमानदार आदमी है। वह कोई ऐसे इंसान नहीं हैं जो भ्रष्ट काम करता हो, वरना उन्होंने बहुत कुछ किया होता। अगर आप उन्हें बाहर निकाल देंगे तो क्या होगा? क्या वह किसी को खाएंगे या नुकसान पहुंचाएंगे? वह भी किसी के बेटे हैं। मैं हमेशा सोचता हूं कि वह क्या कर रहे होंगे।'

इमरान खान के मेडिलक जांच के बाद मियांदाद का आया बयान

69 साल के जावेद मियांदाद का बयान इमरान खान के इस्लामाबाद में मेडिकल जांच के तुरंत बाद आया, जिसके बाद उन्हें रावलपिंडी की अदियाला जेल वापस भेज दिया गया। इमरान खान की पार्टी ने मेडिकल जांच के तरीके पर सवाल उठाया। उसने कहा कि पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में ट्रांसफर करने और उनके निजी डॉक्टर समेत डॉक्टरों की एक टीम की मौजूदगी की इजाजत दी थी।

नीरज चोपड़ा को लगी टखने की चोट

एशियन गेम्स से हुए बाहर, डायमंड लीग फाइनल और वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में भी नहीं ले पाएंगे हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 2026 के बाकी सीजन में प्रतिस्पर्धा करते नजर नहीं आएंगे। ट्रेनिंग के दौरान टखने में लिगामेंट फटने के बाद दो बार के ओलंपिक पदक विजेता को अगले महीने जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स से भी बाहर होना पड़ा है। चोट के कारण वह डायमंड लीग फाइनल और पहली बार आयोजित होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

ट्रेनिंग के दौरान लगी चोट

नीरज चोपड़ा ने शनिवार को अपने अकाउंट पर पोस्ट कर चोट की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डॉक्टर और अपनी टीम से चर्चा के बाद उन्होंने 2026 सीजन के बाकी हिस्से से हटने का फैसला किया है। नीरज ने लिखा, 'कड़ी मेहनत के बाद आखिरकार मुझे वह लय मिलती महसूस हो रही थी, जिसकी मैं तलाश कर रहा था। सीजन का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने के बाद मुझे लगा कि मेरी गति वापस आ रही है। दुर्भाग्य से, इसके कुछ समय बाद ट्रेनिंग के दौरान मेरे टखने में लिगामेंट फट गया। डॉक्टर और टीम से चर्चा के बाद हमने फैसला किया है कि मैं इस सीजन के बाकी हिस्से में हिस्सा नहीं लूंगा।'

डायमंड लीग फाइनल से बाहर

इस चोट का सीधा असर नीरज के आगामी बड़े मुकाबलों पर पड़ा है। वह 5 सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इसके अलावा 11 से 13 सितंबर तक बुडापेस्ट में होने वाली पहली वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप भी वह मिस करेंगे।नीरज के लिए सबसे बड़ा झटका अगले महीने जापान में होने वाले एशियन गेम्स से बाहर होना है। वह इस प्रतियोगिता में भारत के लिए पदक की बड़ी उम्मीद माने जा रहे थे।2026 का सीजन नीरज चोपड़ा के लिए पहले से ही मुश्किल रहा था। सितंबर 2025 से परेशान कर रही लोअर बैक इंजरी के कारण उनकी प्रतिस्पर्धी वापसी जून तक टल गई थी। वापसी के बाद भी वह पूरी तरह फिट नहीं थे, लेकिन उन्होंने शानदार प्रदर्शन कर अपनी लय हासिल करने के संकेत दिए।

मुझे कोई अनुचित फायदा नहीं मिला

मारिजाने कैप की आलोचना पर अनाया बांगर ने तोड़ी चुप्पी, दिया करारा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर की बेटी अनाया बांगर ने दक्षिण अफ्रीका की ऑलराउंडर मारिजाने कैप की आलोचना पर जवाब दिया है। कैप ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा अनाया को ऑस्ट्रेलिया में महिला घरेलू क्रिकेट के रास्ते के लिए मंजूरी दिए जाने पर सवाल उठाते हुए इस फैसले को गलत बताया था।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अनाया को तत्काल प्रभाव से कम्युनिटी और प्रीमियर क्रिकेट खेलने के लिए पात्र माना है। हालांकि, यह मंजूरी अपने आप में किसी टीम में चयन की गारंटी नहीं है। उन्हें क्लब स्तर पर प्रदर्शन के जरिए आगे के अवसर हासिल करने होंगे।

पूरी जानकारी हासिल करनी चाहिए

कैप की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए अनाया ने कहा कि इस मुद्दे पर आपत्ति जताने वाले लोगों को पहले इसके बारे में पूरी जानकारी हासिल करनी चाहिए। उन्होंने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'जो लोग इसके खिलाफ आवाज उठाना चाहते हैं, उन्हें वास्तव में पहले इस विषय के बारे में खुद को शिक्षित करना चाहिए।' अनाया ने आगे कहा, 'मैंने पहले ही यह जरूरी जानकारी उपलब्ध करा दी है कि मुझे कोई अनुचित फायदा नहीं है और मैं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से तय किए गए दिशानिर्देशों का पालन कर रही हूं।'

जैस्मिनः कड़ी मेहनत के बल पर बनाई पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा था। भारतीय टीम ने रिकॉर्ड 7 स्वर्ण पदक जीते थे। इसमें पुरुष और महिला दोनों मुक्केबाजों ने स्वर्ण जीते थे। स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला मुक्केबाजों में एक नाम जैस्मिन लंबोरिया का भी था। लंबोरिया ने 57 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। कड़ी मेहनत, दृढ़ निश्चय और प्रतिभा के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाली जैस्मिन लंबोरिया का जन्म 30 अगस्त 2001 को भिवानी, हरियाणा में हुआ था। भिवानी को 'लिटिल क्यूबा' के नाम से जाना जाता है। यह स्थान मुक्केबाजी का गढ़ है। जैस्मिन के लिए मुक्केबाजी के क्षेत्र में करियर बनाने का फैसला आसान नहीं था। लड़की होने की वजह से उन्हें परिवार और समाज की रूढ़िवादी सोच से जूझना पड़ा, लेकिन एक बार सभी का विश्वास हासिल करने के बाद फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। जैस्मिन को अपने सफर में चाचा संदीप और परविंदर का भी बाद में साथ मिला, दोनों बॉक्सिंग में राष्ट्रीय स्तर पर विजेता रहे हैं। भिवानी की लैंबोरिया बॉक्सिंग अकादमी में जब जैस्मिन ने प्रशिक्षण शुरू किया, उस समय वहां कोई महिला मुक्केबाज नहीं थी। इसलिए उन्होंने लड़कों के साथ प्रशिक्षण लिया, जिसने उनकी तकनीक और आत्मविश्वास को और मजबूत किया।

प्रतिभा का लोहा मनवाया

जैस्मिन ने 2021 में दुबई में आयोजित एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उसी वर्ष एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में रजत पदक और 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 60 किग्रा लाइटवेट वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने अस्ताना में 2025 में आयोजित विश्व बॉक्सिंग कप में जैस्मिन ने गोल्ड मेडल जीत वैश्विक मंच पर अपनी श्रेष्ठता साबित की। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का स्वर्ण पदक उनकी सबसे हालिया सफलता है। 25 साल की हो रही जैस्मिन से एशियन गेम्स और ओलंपिक में पदक की उम्मीद है।

एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना लक्ष्यः आशी

भोपाल, एजेंसी। भारतीय राइफल शूटर आशी चौकसे ने साल 2018 में अचानक प्रतिस्पर्धी शूटिंग शुरू की थी। अब 24 वर्षीय आशी अपने दूसरे एशियन गेम्स की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने अब तक एशियन गेम्स में एक कांस्य और दो रजत पदक जीते हैं। अब उनका बड़ा लक्ष्य आइची-नागोया 2026 एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना है। आशी ने 2022 एशियन गेम्स (जो 2023 में हुए थे) में महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में रजत, महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी टीम इवेंट में रजत और महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी इवेंट में कांस्य पदक जीता था। उन्हें लगता है कि यहां मुकाबला करने से जापान में होने वाले अगले इवेंट के लिए उनकी समझ और आत्मविश्वास बेहतर हुआ है। अपने पहले और दूसरे एशियन गेम्स के सफर के अंतर पर बात करते हुए आशी ने कहा, 'एशियन गेम्स ओलंपिक के बाद सबसे बड़े मल्टी-स्पोर्ट टूर्नामेंट में से एक है और मैं वहां पहले भी मुकाबला कर चुकी हूं। मैंने उस मंच पर परफॉर्म किया है, इसलिए मुझे पता है कि इसके लिए क्या चाहिए।

एशियन गेम्स तक के सफर में कड़ी ट्रेनिंग शामिल थी, जिसके दौरान भारतीय शूटिंग टीम ने भोपाल में इंटेंसिव कैंप में हिस्सा लिया। शुरुआती कैंप में कई मैच और फाइनल सिमुलेशन के साथ-साथ लंबे शूटिंग सेशन भी शामिल थे, जिनका मकसद एथलीटों की सहनशक्ति और निरंतरता को परखना था। आशी ने कहा, 'हम तैयारी में बहुत मेहनत और कोशिश कर रहे थे। इस कैंप की रणनीति मैच और फाइनल आयोजित करने की थी। हमने लगभग तीन-चार मैच और तीन-चार फाइनल खेले, जो 10 दिन के कैंप में बहुत अधिक हैं। मैच खेलना बहुत इंटेंस होता है, भले ही वह सिर्फ 60-शॉट का मैच हो। हमने 120-शॉट का मैच भी खेला, जो किसी प्रोग्राम में नहीं होता, लेकिन हमने इसे लंबे समय तक सहनशक्ति और स्थिरता की जांच करने के लिए किया,' शूटिंग टीम ने स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट के साथ मिलकर काम किया है।

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में नॉर्थ जोन टीम में नजर आएंगे गुरनूर बरार

नई दिल्ली, एजेंसी। तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को रविवार से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में साउथ जोन के खिलाफ शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए नॉर्थ जोन की टीम में शामिल किया गया है। गुरनूर श्रीलंका के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा थे। गुरनूर को नॉर्थ जोन की प्लेइंग इलेवन में जगह मिलने की संभावना है। भारतीय टीम मैनेजमेंट अगले दौरों से पूर्व उन्हें रेड बॉल में ज्यादा से ज्यादा मौके देना चाहता है। गुरनूर भारत की पिछली दो टेस्ट टीमों का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उनका टेस्ट डेब्यू अभी बाकी है। जुलाई में, वह इंडिया ए के श्रीलंका के शैडो टूर पर गए थे, और दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में 145 रन देकर 10 विकेट लिए थे। गुरनूर के प्रथम श्रेणी करियर के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो वह 19 मैचों में 25.24 की औसत से 62 विकेट ले चुके हैं। 23 साल के गुरनूर ने जून में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे में डेब्यू किया और भारत के हाल के इंग्लैंड दौरे पर तीनों वनडे मैच खेले। वह अब तक 6 वनडे मैचों में 11 विकेट ले चुके हैं।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए जम्मू और कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी का चयन भी भारतीय टीम में हुआ था। हालांकि, उन्हें भी डेब्यू का मौका नहीं मिला। रिपोर्ट के मुताबिक नबी अपने वीजा पेपरवर्क के पूरा होने पर इंग्लिश काउंटी सर्किट में खेलने की सोच रहे हैं। चयनकर्ता भी चाहते हैं कि नबी तेज गेंदबाजों के लिए आसान हालात में कुछ मैच खेलें। नबी को भी न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी मौका मिल सकता है, ऐसे में उन्हें भी ज्यादा से ज्यादा मौके देने पर टीम मैनेजमेंट विचार कर रहा है। अगर काउंटी में खेलने का मौका नहीं मिलता है, तो नबी 22 सितंबर से पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंडिया ए के दो मैचों में से पहले मैच में खेलेंगे, और फिर 1 से 5 अक्टूबर तक श्रीनगर में रेस्ट ऑफ इंडिया के खिलाफ ईरानी कप मैच के लिए जम्मू-कश्मीर टीम में शामिल होंगे। नबी ने जम्मू-कश्मीर को 2025-26 में रणजी ट्रॉफी की ऐतिहासिक खिताबी जीत में यादगार भूमिका निभाई थी और सीजन में 60 विकेट लिए थे।